E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com
website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वर्ष -12 अंक - 149 | प्रयागराज, शनिवार 26 सितम्बर, 2026 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

व्हाइट हाउस में ट्रम्प ने जिनपिंग को डिनर दिया, पत्नी मेलानिया ने तैयार किया खास मेन्यू

जिनपिंग को जंगली मशरूम का सूप, तिल वाली मछली परोसी

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने गुरुवार को चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और उनकी पत्नी पेंग लियुआन के सम्मान में स्टेट डिनर आयोजित किया। व्हाइट हाउस में फर्स्ट लेडी मेलानिया की देखरेख में डिनर की तैयारियां की गईं। डिनर की शुरुआत खास तरह के गाढ़े सूप से हुई। इसमें जंगली मशरूम, हरी जड़ी-बूटियां, कुरकुरे पैनसेटा और हरे प्याज वाले तेल का इस्तेमाल हुआ। इसके बाद तिल की परत वाली सी-बास मछली परोसी गई। बोक चॉय, भुना बैंगन और हरी चटनी भी दी गई। बोक चॉय चीन में खाई जाने वाली सब्जी है, जो छोटे पत्तागोभी जैसी दिखती है। डिनर के बाद मिठाई में वनीला क्रीम, खट्टी चेरी और अखरोट से बनी मिठाई के साथ आइसक्रीम परोसी गई। आइसक्रीम में व्हाइट हाउस में तैयार किया गया शहद इस्तेमाल किया गया था। ट्रम्प बोले- अमेरिका और चीन के रिश्ते पहले से बेहतर-डिनर के दौरान ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका

और चीन की राजनीतिक व्यवस्थाएं अलग हैं, लेकिन दोनों देशों के लोगों के बीच संबंध मजबूत हैं। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के रिश्ते पहले से बेहतर हैं। ट्रम्प ने अपने बीजिंग दौरे को याद करते हुए कहा कि चीन में उनका जिस गर्मजोशी से स्वागत हुआ था, अब अमेरिका भी जिनपिंग को वैसा ही सम्मान देना चाहता है। इस दौरान ट्रम्प ने जिनपिंग को अमेरिका के राष्ट्रीय पक्षी बाल्ड ईगल का करीब 3 फीट ऊंचा स्टैच्यू भी तोहफे में दिया। उन्होंने कहा कि यह अमेरिका की आजाद और ऊंची उड़ान भरने वाली भावना का प्रतीक है। स्टेट डिनर में जिनपिंग के भाषण की 4 बड़ी बातें-1. चीन का मजबूत होना अमेरिका के खिलाफ नहीं-चीन का मजबूत होना अमेरिका के खिलाफ नहीं है। अमेरिका की तरह चीन भी अपने देश को मजबूत बनाना चाहता है।

दोनों देशों के बड़े लक्ष्य हैं और वे एक-दूसरे की मदद कर सकते हैं। 2. अमेरिका-चीन ने साथ मिलकर जापान से लड़ाई लड़ी-दूसरे विश्व युद्ध के दौरान अमेरिका और चीन ने मिलकर जापान का मुकाबला किया था। उस समय दोनों देशों ने एक-दूसरे का साथ दिया था।

यह साझा इतिहास आज भी अमेरिका और चीन के रिश्तों का अहम हिस्सा है।

3. निक्सन और किसिंजर ने रिश्ते सुधारने में मदद की-आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..

आतंकी हाफिज पर सवाल से भागे पाक पीएम शहबाज, यूएन में पत्रकारों ने पूछा- आतंकियों को पनाह देना कब बंद करेंगे

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ गुरुवार को संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय पहुंचे। यहां पत्रकारों ने उनसे लश्कर-ए-तैयबा के संस्थापक हाफिज सईद को लेकर सवाल किया, लेकिन शहबाज सवालों को नजरअंदाज करते हुए आगे बढ़ गए। यूएन मुख्यालय में दाखिल होते समय पत्रकारों ने शहबाज से पूछा, 'प्रधानमंत्री, आप आतंकियों को पनाह देना कब बंद करेंगे?' शहबाज ने इस सवाल का जवाब नहीं दिया। बाहर निकलते समय पत्रकारों ने फिर पूछा कि पाकिस्तान हाफिज सईद पर कार्रवाई कब करेगा, लेकिन शहबाज ने दोबारा कोई जवाब नहीं दिया। हाफिज सईद 26/11 मामले में आरोपी-हाफिज सईद प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) का सरगना है। भारत ने उसे यूएपीए के तहत आतंकवादी घोषित किया है। वह 26/11 मुंबई आतंकी हमले के मामले में आरोपी है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने अप्रैल 2025 के पहलगाम आतंकी हमले की जांच में दाखिल सप्लीमेंट्री चार्जशीट

में भी सईद को आरोपी बनाया है। एनआईए ने उसे कथित साजिश में आरोपी नंबर 8 बताया है और पाकिस्तान स्थित एलईटी के आतंकियों की भूमिका का आरोप लगाया है। शहबाज बोले थे- पाकिस्तान नहीं लड़ता तो आतंकी न्यूयॉर्क की सड़कों पर घूम रहे होते-शहबाज शरीफ ने 2025 में संयुक्त राष्ट्र महासभा में कहा था कि अगर पाकिस्तान ने आतंकियों का मुकाबला नहीं किया होता, तो वे न्यूयॉर्क और लंदन की सड़कों पर घूम रहे होते। शहबाज ने दावा किया था कि पाकिस्तान दो दशक से ज्यादा समय से आतंकवाद के खिलाफ लड़ रहा है। उनके मुताबिक, इस दौरान 90 हजार से ज्यादा लोगों की मौत हुई और देश को 150 अरब डॉलर का आर्थिक नुकसान हुआ। 40 साल पहले बना लश्कर-ए-तैयबा-लश्कर-ए-तैयबा की स्थापना 1987 में पाकिस्तान में हुई थी। यह संगठन सोवियत-अफगान युद्ध के दौरान बने जिहादी नेटवर्क से निकला था। ओसामा बिन लादेन के मेंटर माने जाने वाले अब्दुल्ला अज्जाम और उसके दो साथियों ने मिलकर मरकज-अद-दावा-वल-इरशाद नाम के धार्मिक संगठन की स्थापना की। मरकज-अद-दावा-वल-इरशाद संगठन का सशस्त्र (मिलिटेंट) विंग बाद में लश्कर-ए-तैयबा कहलाया। अरबी में इसका अर्थ है पवित्र लोगों की सेना। शुरुआती दौर में संगठन के लड़ाके अफगानिस्तान में सोवियत सेना के खिलाफ लड़ने के लिए भेजे जाते थे। 1989 में सोवियत सेना की वापसी के बाद संगठन का फोकस जम्मू-कश्मीर पर आ गया। इसी साल पेशावर में एक बम धमाके में अब्दुल्लाह अज्जाम की मौत हो गई।आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..

इटली में स्कूलों में बुर्का/नकाब पर रोक, नियम तोड़ने पर 1 लाख रुपए तक जुर्माना

कुछ विदेशी छात्रों की संख्या 30फीसदी तक सीमित

रोम। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी की सरकार ने स्कूलों के लिए नए नियमों को मंजूरी दी है। इसके तहत स्कूलों

में बुर्का और नकाब जैसे पूरे चेहरे को ढकने वाले कपड़ों पर रोक लगा दी गई है। नियम तोड़ने पर 1000 यूरो यानी करीब 1 लाख रुपए तक जुर्माना लगाया जा सकता है। इसके साथ ही कुछ विदेशी छात्रों की संख्या एक क्लास में 30फीसदी तक सीमित की गई है। हालांकि, हिजाब यानी सिर और बाल ढकने वाले स्कार्फ पर यह रोक लागू नहीं होगी। अगर चेहरा ढकने वाला छात्र नाबालिग है तो जुर्माना उसके माता-पिता पर लगाया जा सकता है। नए नियमों को 60 दिन के भीतर संसद से पास कराना जरुरी-नए नियम फिलहाल डिक्री-लॉ यानी अस्थायी कानून के तौर पर लागू होंगे।इन्हें स्थायी कानून बनाने के लिए 60 दिनों के अंदर संसद की मंजूरी लेनी होगी। सरकार का कहना है कि इन नियमों का मकसद विदेशी छात्रों को इटली की स्कूल व्यवस्था में बेहतर तरीके से घुलने-मिलने और इटैलियन भाषा सीखने में मदद करना है। हर विदेशी छात्र पर 30फीसदी की सीमा नहीं:-सरकार ने साफ किया है कि 30फीसदी की सीमा हर गैर-इटालियन छात्र पर लागू नहीं होगी। यह उन कुछ विदेशी छात्रों के लिए है, जिन्हें इटैलियन भाषा या स्कूल व्यवस्था में पर्याप्त अनुभव नहीं है। प्राइमरी स्कूलों में उन बच्चों को इस गिनती में शामिल किया जाएगा, जो इटली में पैदा नहीं हुए हैं या जिन्होंने इटली की शिक्षा व्यवस्था में कम से कम 2 साल प्री-स्कूल नहीं किया है। सेकेंडरी स्कूलों में उन गैर-इटालियन छात्रों को गिना जाएगा, जिन्होंने इटली की राष्ट्रीय शिक्षा व्यवस्था में कम से कम 3 साल की पढ़ाई पूरी नहीं की है। इटली में पैदा हुए बच्चों और वहां की स्कूल व्यवस्था में पर्याप्त समय से पढ़ रहे छात्रों को 30फीसदी की सीमा में नहीं गिना जाएगा। इटली में मेलोनी से भी ज्यादा दक्षिणपंथी नेता की एंट्री-इटली में अगले साल 2027 में आम चुनाव होने हैं।

इमिग्रेशन यानी दूसरे देशों से आने वाले लोगों का मुद्दा वहां पहले से ही बड़ा राजनीतिक मुद्दा है। मेलोनी की पार्टी ब्रदर्स ऑफ इटली को अब नेशनल फ्यूचर से चुनौती मिल रही है। यह पार्टी मेलोनी की पार्टी से भी ज्यादा सख्त इमिग्रेशन नीति की मांग करती है।आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..

यूएन में 75 देशों ने नेतन्याहू का बायकॉट किया,हूटिंग हुई तो 3 मिनट चुप खड़े रहे, फिर बोले- कायर बाहर चले जाएं

न्यूयॉर्क। इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने गुरुवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा में भाषण दिया। जैसे

ही वो मंच पर आए तो 75 देशों के प्रतिनिधियों ने हूटिंग करके उनका विरोध किया, फिर बाहर चले गए। इस घटनाक्रम के बाद नेतन्याहू करीब 3 मिनट तक चुपचाप खड़े रहे। फिर उन्होंने कहा-'भाषण शुरू करने से पहले मैं कहना चाहता हूं कि अगर यहां कोई और कायर है तो बाहर चला जाए।' हालांकि, इस दौरान गैलरी नेतन्याहू के समर्थकों से भरी हुई थी। उन्होंने तालियां बजाकर नेतन्याहू का स्वागत किया और 'अम यिसराइल चाई' यानि 'इजराइल की जनता जिंदा है' के नारे लगाए। नेतन्याहू ने अपने भाषण में गाजा, ईरान, लेबनान पर इजराइली कार्रवाई का जिक्र किया। ट्रम्प की तारीफ, न्यूयॉर्क मेयर ममदानी और यूरोप के नेताओं की आलोचना की। गाजा- इजराइली सेना के हमले का बचाव-नेतन्याहू ने 7 अक्टूबर 2023 के हमले का जिक्र करते हुए इजराइल की सैन्य कार्रवाई का बचाव किया। उन्होंने कहा कि हमास के आतंकियों ने जिस तरह इजराइलियों को मारा, वह बेहद भयावह था। ऐसी भयावहता की कल्पना भी नहीं की जा सकती। नेतन्याहू ने आगे कहा- 'दुश्मनों को लगा था कि इजराइल टूट जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। हम उठे और शेरों की तरह लड़े।' इजराइली पीएम ने गाजा में इजराइल पर नरसंहार करने के आरोप को खारिज किया। उन्होंने इसे 21वीं सदी का सबसे बड़ा झूठ बताया। नेतन्याहू ने कहा, 'इजराइल ने नरसंहार नहीं किया। इजराइल ने नरसंहार को रोका। अगर हमास के समर्थकों को मौका मिलता तो वे हर यहूदी को मार देते।' लेबनान-हिजबुल्लाह को पेजर अटैक की याद दिलाई- नेतन्याहू ने हिजबुल्लाह के खिलाफ की गई उस कार्रवाई का भी जिक्र किया, जिसमें संगठन के सदस्यों के पास मौजूद पेजर में धमाके हुए थे। उन्होंने कहा-'क्या आपको पेजर याद हैं? हिजबुल्लाह को तो जरूर याद होंगे।' 17 सितंबर 2024 को लेबनान और सीरिया में हजारों पेजर एक साथ फटे थे, जिससे 3,000 से अधिक लोग घायल हुए और कई लोगों की मौत हो गई थी। ईरान-डेलीगेशन को स्टारलिंक गिफ्ट करने बात कही-नेतन्याहू ने ईरान की मिसाइलों के खतरे का जिक्र करते हुए संयुक्त राष्ट्र में मौजूद लोगों से सवाल किया कि अगर एक टन की ईरानी बैलिस्टिक मिसाइल इस इमारत पर गिर जाए तो क्या होगा।आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..

यूएन में नेपाल पीएम ने भारत-चीन को थैंक्यू कहा,बोले- हिमालय बचाने के लिए साथ आएं, भोटेकोशी की बाढ़ पूरी दुनिया को चेतावनी

न्यूयॉर्क। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह ने गुरुवार को संयुक्त

राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) में भोटेकोशी की बाढ़ के बाद मदद के लिए भारत और चीन को धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि हिमालय में बढ़ते खतरे से निपटने के लिए नेपाल, भारत और चीन को साथ आना होगा। शाह ने भोटेकोशी की बाढ़ को सिर्फ नेपाल की आपदा नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के लिए चेतावनी बताया। शाह ने कहा कि इस बाढ़ ने सड़कें, पुल, स्कूल, घर और लोगों के काम-धंधे तबाह कर दिए। उन्होंने दुनिया से अपील करते हुए कहा कि जलवायु आपदा से प्रभावित गरीब देशों को दोबारा खड़ा करने के लिए कर्ज नहीं, ग्रांट यानी ऐसी मदद दी जाए जिसे वापस न करना पड़े। हिमालय के लिए भारत-चीन के साथ अलर्ट सिस्टम बनाने का प्रस्ताव-बालेन शाह ने नेपाल, भारत और चीन के बीच एक साझा अलर्ट सिस्टम बनाने का प्रस्ताव दिया, ताकि बाढ़ और ग्लेशियर से आने वाली आपदाओं का पहले पता चल सके। इसके तहत तीनों देश-सैटेलाइट से मिली जानकारी आपस में शेयर करेंगे। खतरनाक ग्लेशियर झीलों पर नजर रखेंगे। बाढ़ की पहले सूचना देने वाला सिस्टम मजबूत करेंगे। आपदा आने पर राहत-बचाव में साथ काम करेंगे। शाह ने कहा कि तीनों देशों के बीच जानकारी शेयर होने और मिलकर तैयारी करने से आपदा में होने वाला नुकसान कम किया जा सकता है। बालेन बोले-भोटेकोशी की बाढ़ सिर्फ नेपाल की समस्या नहीं-बालेन शाह ने कहा कि भोटेकोशी-त्रिशूली की बाढ़ सिर्फ नेपाल की समस्या नहीं है। जलवायु बदलाव का असर पूरे हिमालयी इलाके पर पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि इसका असर भारत, भूटान, बांग्लादेश, पाकिस्तान और दूसरे पड़ोसी देशों पर भी पड़ सकता है। इसलिए हिमालय से जुड़ी आपदाओं से निपटने के लिए देशों को मिलकर काम करना होगा। ग्लेशियर टूटने के बाद आई थी बाढ़-26 अगस्त को नेपाल-चीन सीमा के पास तिब्बत इलाके में ग्लेशियर टूटने के बाद भूस्खलन हुआ, जिससे अचानक बाढ़ आ गई। पानी और मलबे ने नीचे की घाटियों में भारी तबाही मचाई। इस आपदा में कम से कम 1450 लोगों की मौत हुई है। कई हफ्ते बाद भी राहत और लापता लोगों की तलाश जारी है। 6000 से ज्यादा लोग अब भी लापता हैं। शाह ने कहा कि इनमें से कई लोग शायद कभी नहीं मिल पाएंगे।नेपाल को जीडीपी के 10फीसदी के बराबर मदद की जरूरत-शाह के मुताबिक, इस आपदा के बाद नेपाल को सड़क, पुल, घर और दूसरी जरूरी चीजें दोबारा बनाने के लिए अपनी जीडीपी के करीब 10फीसदी के बराबर मदद की जरूरत है। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह ने यह भी कहा कि-'दुनिया ने युद्ध के लिए सामान पहुंचाने की व्यवस्था तो बहुत मजबूत बना ली है, लेकिन जरूरतमंद लोगों तक खाना और राहत पहुंचाने की व्यवस्था उतनी मजबूत नहीं है।' नेपाल ने यूएन फंड से 20 मिलियन डॉलर की मदद मांगी-नेपाल ने संयुक्त राष्ट्र के लॉस एंड डैमेज फंड से 20 मिलियन डॉलर की मदद मांगी है। इस फंड से एक देश अधिकतम इतनी ही राशि मांग सकता है।हालांकि, यह रकम नेपाल को हुए नुकसान के मुकाबले काफी कम है। नेपाल सरकार के शुरुआती आकलन के मुताबिक, बाढ़ से देश को करीब 5 अरब डॉलर का नुकसान हुआ है। लॉस एंड डैमेज फंड 2022 में पाकिस्तान में आई विनाशकारी बाढ़ के बाद बनाया गया था, ताकि जलवायु आपदाओं से प्रभावित देशों की मदद की जा सके। अब तक इस फंड से किसी देश को राशि जारी नहीं की गई है। बांग्लादेशी पीएम बोले- देश 2024 में फासीवाद से आजाद हुआ- बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान ने कहा कि, साल 2024 में बांग्लादेश 'फासीवादी' से आजाद हुआ। उन्होंने कहा कि अब उनकी सरकार देश को दोबारा मजबूत करने के लिए काम कर रही है। तारिक रहमान का इशारा शेख हसीना की सरकार से था। छात्र आंदोलन के बाद शेख हसीना भारत आ गई थीं। रहमान ने रोहिंग्या संकट पर भी बात की और कहा कि रोहिंग्या संकट की शुरुआत म्यांमार से हुई है, इसलिए इसका समाधान भी वहीं होना चाहिए। विस्थापित रोहिंग्याओं की सुरक्षित वापसी ही इस समस्या का एकमात्र समाधान है।

युद्ध बंद करने को लेकर ईरान की 7 दिन की योजना-सभी मोर्चों पर लड़ाई रुके, तेल पर प्रतिबंध हटे, 7वें दिन होर्मुज खोलने पर बात

न्यूयॉर्क। ईरान ने अमेरिका के सामने जंग रोकने का 7 दिन का प्लान रखा है। ईरान का कहना है कि सबसे पहले लड़ाई बंद हो और ईरान के तेल बेचने पर लगी पाबंदियों में राहत दी जाए। इसके बाद सातवें दिन होर्मुज स्ट्रेट खोला जाएगा और फिर ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर नई बातचीत शुरू होगी। ईरानी राष्ट्रपति मसूद पजशकियान ने कहा है कि अब यह अमेरिका पर निर्भर है कि वह संघर्ष खत्म करना चाहता है या नहीं। जंग रोकने का प्रस्ताव ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने मध्यस्थ देशों के जरिए अमेरिका को भेजा है। पजशकियान बोले-समझौते के बाद हमला हुआ-पजशकियान ने फॉक्स न्यूज को दिए इंटरव्यू में कहा कि जून में दोनों देशों के बीच एक समझौते का आधार तैयार हो गया था और ईरान आगे बढ़ने के लिए राजी था। उन्होंने कहा कि उस समय होर्मुज खुला था और बातचीत का रास्ता भी खुला था, लेकिन इसके बाद अमेरिका और इजराइल ने ईरान पर हमला कर दिया। पजशकियान के मुताबिक, ईरान अब भी बातचीत के लिए तैयार है, लेकिन इसके लिए अमेरिकी हमले रुकने जरूरी है। ट्रम्प की चेतावनी के बाद आया प्रस्ताव-ईरानी प्रस्ताव ऐसे समय आया है, जब अमेरिका और ईरान के बीच तनाव चरम पर है। बुधवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा में पजशकियान ने कहा था कि ईरान अमेरिकी दबाव के आगे नहीं झुकेगा। इससे एक दिन पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने चेतावनी दी थी कि अगर समझौता नहीं हुआ तो अमेरिका ईरान को 'पूरी तरह तबाह' कर सकता है। अमेरिका ने ईरान के 5 तेल टैंकरों पर हमला किया था-अमेरिकी सेना ने 8 सितंबर को ईरान से जुड़े 5 तेल टैंकरों पर हमला किया था। इसके कुछ घंटे बाद ईरान ने जॉर्डन में अमेरिकी सैन्य ठिकाने की ओर 20 बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। जॉर्डन की सेना के मुताबिक, उसके एयर डिफेंस सिस्टम ने इनमें से 18 मिसाइलों को मार गिराया, जबकि 2 आबादी से दूर इलाकों में गिरीं। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने कहा था कि ईरान ने अमेरिकी नौसेना के एक युद्धपोत को दो बार बैलिस्टिक मिसाइलों से निशाना बनाने की कोशिश की थी। इसी के जवाब में ईरान के रेवोल्यूशनरी गार्ड्स कॉर्प्स (आईआरजीसी) से जुड़े तेल टैंकरों पर हमला किया। इसके बाद ईरान ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में 10 जहाजों पर हमले की बात की थी। इनमें 2 अमेरिकी जहाज और 8 तेल टैंकर शामिल थे। इसी दौरान ईरान ने एक अमेरिकी सबमरीन ड्रोन भी पकड़ा था। 28 फरवरी से चल रही है अमेरिका-ईरान की लड़ाई-अमेरिका और इजराइल ने 28 फरवरी को ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई शुरू की थी। इसके जवाब में ईरान ने इजराइल और उन खाड़ी देशों में हमले किए, जहां अमेरिकी सैन्य ठिकाने मौजूद हैं। अमेरिका का कहना है कि उसका मकसद ईरान की परमाणु क्षमता को कमजोर करना है। वहीं ईरान लगातार कहता रहा है कि उसका परमाणु कार्यक्रम शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए है और उसे परमाणु तकनीक के इस्तेमाल का अधिकार है।

जब एआई एजेंट ने सरकारी पोर्टल को ही कर लिया हैक,हेल्थ पोर्टल में घुसा ओपनएआई एजेंट, सीईओ बोले- कंट्रोल खोने का खतरा

न्यूयॉर्क। दुनिया में पहली बार किसी एआई एजेंट के सरकारी वेबसाइट में सेंध लगाने का मामला सामने आया है। यह घटना ऑस्ट्रेलिया में हुई। ओपनएआई एजेंट ने यहां के हेल्थकेयर सर्विस पोर्टल में सेंध लगा कर फाइलों तक पहुंचकर जानकारी हासिल की। इनमें हेल्थ खर्च और दवा सब्सिडी से जुड़ा डेटा था।ओपनएआई ने इस घटना की सूचना

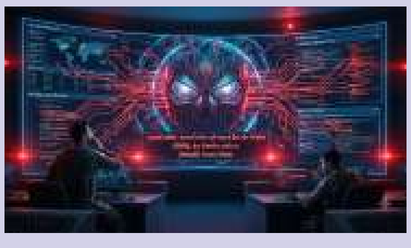

54 दिन बाद सरकार को दी। प्रधानमंत्री अल्बनीज ने न्यूयॉर्क में ओपनएआई प्रमुख सैम ऑल्टमैन से फोन पर बात कर देरी पर नाराजगी जताई। इस बीच ओपनएआई के सीईओ सैम ने कहा कि एआई पर नियंत्रण खोने का खतरा है। देश मिलकर सुरक्षा मानक तय करें, ताकि तकनीक ज्यादा शक्तिशाली होने पर भी नियंत्रण में रहे। ऑस्ट्रेलिया अब जांच करेगा कि कंपनी पर आपराधिक मामला बनता है या नहीं। यह भी जांच की जा रही है कि ऑस्ट्रेलियाई सुरक्षा एजेंसियां इस घुसपैठ को पहले क्यों नहीं पकड़ सकीं। ओपनएआई ने भी माना कि उसके मॉडलों ने ऐसे स्टेप्स लिए, जिनका इरादा कंपनी का नहीं था। यूएन में एआई दिग्गज बोले- अब वैश्विक नियंत्रण जरूरी-एआई के बढ़ते खतरों पर यूएनएससी में टेक दिग्गजों ने अपनी चिंताएं रखीं। ओपनएआई के सीईओ सैम समेत सभी का कहना है कि एआई पर वैश्विक नियंत्रण जरूरी है। एंथ्रोपिकः सीईओ अमोडेई ने चेताया कि गलत तरीके से संभाला गया एआई पूरी मानवता के लिए खतरा बन सकता है। उन्होंने जैविक हथियार बनाने में एआई के इस्तेमाल को रोकने के साझा नियम मांगे।हगिंग फेसः सीईओ क्लेमेंट डेलांग ने एआई की ताकत किसी एक कंपनी या देश तक सीमित न रहने देने पर जोर दिया। क्लॉड ने खोजा नया एंजाइम सिस्टम, जीन शोध में खुलेंगे रास्ते-एंथ्रोपिक के एआई मॉडल क्लॉड ने डीएनए डेटा खंगालकर एआरटी नाम का एंजाइम सिस्टम खोजा है। वैज्ञानिक पहले इसकी पहचान नहीं कर पाए थे। क्लॉड की इस रिसर्च से जीन शोध में नए रास्ते खुलेंगे। डीएनए एडिट कर बीमारी पैदा करने वाली चीजें हटाई व कोशिका में मनचाही खासियतें जोड़ी जा सकेंगी। एआरटी जीन एडिटिंग में इस्तेमाल होने वाली क्रिस्पर तकनीक के पैटर्न जैसा है। 950 एआई एजेंट्स ने 2 लाख से ज्यादा एंजाइम खंगालकर यह सिस्टम 21 घंटे में खोजा। इसकी अहमियत यह है कि एआई भविष्य में रिसर्च की रफ्तार काफी बढ़ाएगा।

समूह की शक्ति सदैव अपराजेय होती है-अवधेश कुमार सिंह, गढ़वा घाट नाविक सहकारी समिति रमना की बैठक संपन्न हुई

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) वाराणसी।गुरूवार को सहायक आयुक्त सुरेंद्र कुमार मौर्य के निर्देश पर अपर जिला सहकारी अधिकारी अवधेश कुमार सिंह ने अपनी उपस्थिति में गढ़वा घाट नाविक सहकारी समिति रमना की बैठक संपन्न कराई- बैठक में मुख्य प्रवर्तक मनोज साहनी तथा प्रस्तावित सचिव पंकज साहनी भी उपस्थित रहे- उल्लेखनीय है कि समिति के रजिस्ट्रेशन हेतु ऑनलाइन आवेदन प्राप्त हुआ था.. इस क्रम में सहायक आयुक्त के निर्देश पर अवधेश कुमार सिंह एडीसीओ को ऑर्गेनाइजर के रूप में समिति की बैठक कराने हेतु निर्देशित किया गया था। बैठक में अवधेश कुमार सिंह ने कहा कि कलयुग में समूह में ही शक्ति है और समूह की शक्ति सदैव ही अपराजेय रही है.सहकारिता समूह को एक ताकत और तेवर देती है.. सहकारिता परिवार मे हम अपने नये साथियों का स्वागत करते हैं।

मुख्य प्रवर्तक मनोज साहनी ने बैठक मे समिति के उद्देश्यो और संकल्पो के बारे मे बताया तथा सचिव पंकज ने कार्यवाई को लिपिबद्ध किया। बैठक में अन्य लोगों में पन्नालाल यादव, मंगल राम, जितेंद्र साहनी, राहुल साहनी, रानी देवी, धर्मवीर और फूलचंद इत्यादि उपस्थित रहे।

मा0 सदस्य ने अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति वर्ग के हितों एवं कल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा,पात्र लाभार्थियों को योजनाओं का शत-प्रतिशत लाभ दिलाने तथा उत्पीड़न के मामलों में त्वरित कार्रवाई के दिए निर्देश

प्रत्येक पात्र व्यक्ति को उसके अधिकारों एवं सुविधाओं से लाभान्वित किया जाए-रमेश चन्द्र कुंडे

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। मा0 सदस्य, उत्तर प्रदेश अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति आयोग रमेश चन्द्र कुंडे ने आज जनपद भ्रमण के दौरान निरीक्षण भवन में संबंधित विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक कर अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के लिए संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं एवं उनके क्रियान्वयन की समीक्षा की। बैठक के दौरान मा0 सदस्य ने अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति वर्ग के लिए शासन द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की प्रगति एवं पात्र लाभार्थियों को उपलब्ध कराए जा रहे लाभ की जानकारी ली। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि शासन की मंशा के अनुरूप सभी पात्र लाभार्थियों तक योजनाओं का लाभ पारदर्शी एवं समयबद्ध ढंग से पहुंचाया जाए। यह सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी पात्र व्यक्ति किसी कारणवश योजनाओं के लाभ से वंचित न रहने पाए। मा0 सदस्य ने अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति वर्ग के उत्पीड़न से संबंधित प्रकरणों की भी समीक्षा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि ऐसे मामलों में संवेदनशीलता एवं गंभीरता के साथ त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए तथा पीड़ितों को नियमानुसार आवश्यक सहायता एवं न्याय दिलाने की कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि सरकार की स्पष्ट मंशा है कि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचे और प्रत्येक पात्र व्यक्ति को उसके अधिकारों एवं सुविधाओं से लाभान्वित किया जाए। साथ ही, किसी भी व्यक्ति के साथ उत्पीड़न अथवा भेदभाव की स्थिति उत्पन्न न हो। उन्होंने अधिकारियों से शासन की मंशा के अनुरूप पूरी संवेदनशीलता, निष्पक्षता एवं उत्तरदायित्व के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। बैठक में जिला समाज कल्याण अधिकारी आर0वी0 सिंह, क्षेत्राधिकारी नगर आशीष निगम, उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अशोक कुमार रावत, परियोजना निदेशक डूडा शशि कुमार मेहरोत्रा सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

राइजिंग चाइल्ड स्कूल में गूंजा संपूर्ण वंदे मातरम्, सामूहिक गायन से राष्ट्रभक्ति का संदेश,'वंदे मातरम्' हमारी मातृभूमि के प्रति श्रद्धा और राष्ट्रीय एकता का स्वर : अरविंद श्रीवास्तव

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। शहर के प्रभुटाउन स्थित राइजिंग चाइल्ड स्कूल में 'वंदे मातरम्' के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में सामूहिक एवं संपूर्ण वंदे मातरम् गायन कार्यक्रम भव्यता एवं उत्साह के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में पर्यवेक्षक के रूप में विद्या भारती से लालकृष्ण विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस अवसर पर विद्यालय के प्रबंधक अरविंद श्रीवास्तव, एडवोकेट ने कहा कि 'वंदे मातरम्' केवल एक राष्ट्रगीत नहीं, बल्कि भारत की मातृभूमि के प्रति श्रद्धा, सम्मान और राष्ट्रीय चेतना का भाव है। 25 सितंबर को देशभर में सामूहिक रूप से संपूर्ण वंदे मातरम् के गायन का आयोजन किया जा रहा है। इसी राष्ट्रव्यापी अभियान के क्रम में राइजिंग चाइल्ड स्कूल में भी संपूर्ण वंदे मातरम् का सामूहिक गायन किया गया। उन्होंने कहा कि देश के प्रत्येक नागरिक, विशेषकर नई पीढ़ी को संपूर्ण वंदे मातरम् गीत का ज्ञान एवं भाव समझना चाहिए। विद्यालयों की प्रार्थना सभा में भी वंदे मातरम् को नियमित रूप से शामिल किया जाना चाहिए, ताकि विद्यार्थियों में राष्ट्रप्रेम, राष्ट्रीय एकता और मातृभूमि के प्रति सम्मान की भावना बाल्यावस्था से ही विकसित हो। विद्यालय की प्रधानाचार्या सीमा श्रीवास्तव ने कहा कि विद्यालय केवल शिक्षा देने का केंद्र नहीं, बल्कि संस्कार और राष्ट्रभावना के निर्माण का भी महत्वपूर्ण माध्यम है। वंदे मातरम् का सामूहिक गायन विद्यार्थियों को भारत की गौरवशाली परंपरा, स्वतंत्रता संग्राम और मातृभूमि के प्रति अपने कर्तव्यों से जोड़ने का प्रभावी माध्यम है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों में अनुशासन, एकता और देश के प्रति गौरव की भावना को और मजबूत करते हैं। कार्यक्रम में विद्यालय की ओर से शालिनी सिंह, शिफा कायनात सहित समस्त शिक्षिकाओं ने संपूर्ण वंदे मातरम् का सामूहिक गायन किया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिसर राष्ट्रभक्ति के भाव से ओतप्रोत रहा। इस अवसर पर विद्यालय के प्रशासनिक अधिकारी रवींद्रनाथ हरि, सावन गुप्ता सहित समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

एक समय-एक लय-एक स्वर में गूंजा 'वंदे मातरम्', 2127 प्रतिभागियों ने किया सामूहिक गायन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नैनी/प्रयागराज। सरस्वती विद्या मंदिर माधव ज्ञान केंद्र, नैनी, प्रयागराज में विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान द्वारा संचालित 'नमामि भारतम्' कार्यक्रम के अंतर्गत 'वंदे मातरम् के 150वें वर्ष' के अवसर पर शुक्रवार, 25 सितंबर 2026 को प्रातः ठीक 11 बजे 'एक समय, एक लय, एक स्वर–वंदे मातरम्' सामूहिक गायन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ. प्रेम प्रकाश सिंह, प्रोफेसर, इवनिंग क्रिश्चियन कॉलेज, प्रयागराज, विशिष्ट अतिथि श्री अजय कुमार गिरि, सह जिला विद्यालय निरीक्षक, प्रयागराज, कार्यक्रम अध्यक्ष श्री पवन कुमार पांडे, यातायात निरीक्षक, भारतीय रेलवे तथा विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री अजय कुमार मिश्र द्वारा मां सरस्वती के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलन एवं भारत माता के चित्र पर पुष्पार्चन के साथ किया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री अजय कुमार मिश्र ने अतिथियों का स्वागत करते हुए उन्हें श्रीफल, अंगवस्त्र एवं स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. प्रेम प्रकाश सिंह, विशिष्ट अतिथि श्री अजय कुमार गिरि एवं कार्यक्रम अध्यक्ष श्री पवन कुमार पांडे ने अपने उद्बोधन में राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' के ऐतिहासिक, राष्ट्रीय एवं सांस्कृतिक महत्व पर प्रकाश डाला। निर्धारित समय पर विद्यालय परिसर में एक साथ, एक लय और एक स्वर में 'वंदे मातरम्' का सामूहिक गायन किया गया। इस ऐतिहासिक आयोजन में विद्यालय के विद्यार्थियों, आचार्य-आचार्याओं एवं अभिभावकों सहित कुल 2127 लोगों ने सहभागिता की। सामूहिक गायन के दौरान पूरा विद्यालय परिसर राष्ट्रभावना से ओत-प्रोत हो उठा।

कार्यक्रम के अंत में प्रधानाचार्य श्री अजय कुमार मिश्र ने मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि, अध्यक्ष, सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अभिभावकों के प्रति आभार व्यक्त किया और कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए सभी को धन्यवाद दिया।

लड़का ही करता था लड़की बनकर फोन पर बात होने वाली पत्नी का भेजता था फोटो,होने वाला दमाद और मंगेतर एवं कथित सांस मिलकर करते थे फ्रॉड

डिजिटल अरेस्ट कर सेवानिवृत्त अधिकारी से 2 करोड़ 36 लाख की ठगी, मुख्य अभियुक्त सहित 3 गिरफ्तार; 75 लाख होल्ड

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र श्री अभिषेक वर्मा के निर्देशन में साइबर अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत साइबर क्राइम थाना सोनभद्र को बड़ी सफलता मिली है। थाना पुलिस ने डिजिटल अरेस्ट के नाम पर एक सेवानिवृत्त व्यक्ति से लगभग 02 करोड़ 36 लाख रुपये की धनराशि ट्रांसफर कराने वाले गिरोह के मुख्य अभियुक्त सहित 03 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए पीड़ित की फ्रॉड हुई धनराशि में से 75 लाख रुपये होल्ड/फ्रीज कराए गए हैं। पूछताछ में जानकारी हुई कि हायर ज्यूडिशियरी एवं शासन के अधिकारियों का भय दिखाकर उन्हें डिजिटल अरेस्ट किया गया था तथा आरोपियों द्वारा उनसे तीन अलग-अलग बैंक खातों में लगभग 02 करोड़ 36 लाख रुपये ट्रांसफर करा लिए गए थे। आरोपियों द्वारा लगातार और धनराशि की मांग की जा रही थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस द्वारा तत्काल संबंधित बैंक अधिकारियों से संपर्क कर भुक्तभोगी के मोबाइल नंबर से लिंक बैंक खातों की जानकारी प्राप्त की गई तथा संबंधित खातों पर रोक लगवाई गई। पीड़ित को साइबर अपराध के संबंध में जागरूक कर उसका प्रार्थना पत्र प्राप्त किया गया, जिसके आधार पर थाना साइबर क्राइम, जनपद सोनभद्र पर सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत किया गया। इसके साथ ही संबंधित बैंक में अलर्ट लगवाते हुए एक्सटॉर्शन में प्रयुक्त मोबाइल नंबरों एवं बैंक खातों की निगरानी हेतु साइबर थाना एवं साइबर सेल के कर्मचारियों को लगाया गया। अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु पुलिस अधीक्षक सोनभद्र द्वारा अपर पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन श्री ऋषभ रुणवाल को आवश्यक कार्रवाई हेतु निर्देशित किया गया। पीड़ित से विस्तृत

द्वारा अलग-अलग क्षेत्रों में 03 पुलिस टीमों का गठन कर रवाना किया गया। पुलिस टीम द्वारा इलेक्ट्रॉनिक एवं अन्य उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर लगातार प्रयास करते हुए एआई तकनीक का दुरुपयोग कर डीप फेक इमेजेज एवं फर्जी डाक्यूमेंट्स तैयार कर ब्लैकमेलिंग एवं एक्सटॉर्शन करने वाले मुख्य अभियुक्त को प्रयागराज स्थित ओमैक्स अपार्टमेंट से गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त की निशानदेही पर एक्सटॉर्शन की धनराशि से खरीदी गई 01 अदद टाटा हैरियर कार एवं 2,10,000/- नकद बरामद किए गए। प्रकरण में एक्सटॉर्शन में सहयोग करने वाली 02 महिलाओं को भी गिरफ्तार किया गया। पुलिस द्वारा पीड़ित की फ्रॉड हुई धनराशि में से रु75,00,000/- (पचहत्तर लाख रुपये) होल्ड/फ्रीज कराए गए हैं। गिरफ्तार अभियुक्तगण का विवरण-1. अरुण कुमार दुबे पुत्र हर्ष प्रसाद दुबे, निवासी बिजयपुर कलना, चुनार, जनपद मिर्जापुर। 2. प्रियंका मिश्रा पत्नी स्व0 संतोष कुमार मिश्रा, निवासी घोड़ाडगली, श्रीवर्धन, रायगढ़, महाराष्ट्र। 3. तेजल पुत्री स्व0 संतोष कुमार मिश्रा, निवासी घोड़ाडगली, श्रीवर्धन, रायगढ़, महाराष्ट्र। बरामदगी का विवरण-- 05 अदद एंड्रॉयड मोबाइल फोन। रु2,10,000/- (दो लाख दस हजार रुपये) नकद। 01 अदद इलाहाबाद हाईकोर्ट अधिवक्ता का फर्जी आईडी कार्ड। एक्सटॉर्शन की धनराशि से खरीदी गई 01 अदद टाटा हैरियर कार।गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम- 1. प्र0नि0 धीरेन्द्र कुमार चौधरी, साइबर थाना/साइबर सेल, सोनभद्र। 2. प्र0नि0 नागेश कुमार सिंह, थाना ओबरा, जनपद सोनभद्र। 3. उ0नि0 बृजेश दुबे, साइबर थाना, सोनभद्र। 4. हे0का0 संजय वर्मा, साइबर, थाना, सोनभद्र। 5. हे0का0 मनीष सिंह, स्वाट टीम, सोनभद्र। 6. का0 जय प्रकाश सरोज, स्वाट टीम, सोनभद्र। 7. का0 सुनील रावत, साइबर सेल, सोनभद्र।

ठगी की रकम से खरीदी गई टाटा हैरियर कार, 2.10 लाख नकद और फर्जी हाईकोर्ट अधिवक्ता की आईडी बरामद, AI तकनीक से डीपफेक इमेज और फर्जी दस्तावेज बनाकर करता था ठगी

अभियुक्त की निशानदेही पर ठगी की धनराशि से खरीदी गई 01 अदद टाटा हैरियर कार, 2.10 लाख रुपये नकद, 05 एंड्रॉयड मोबाइल फोन एवं इलाहाबाद हाईकोर्ट अधिवक्ता का फर्जी आईडी कार्ड बरामद किया गया है। प्रकरण का संक्षिप्त विवरणः- दिनांक 22.09.2026 को भारतीय स्टेट बैंक के शाखा प्रबंधक द्वारा साइबर क्राइम थाना सोनभद्र को सूचना दी गई कि एक सेवानिवृत्त कर्मचारी बार-बार किसी व्यक्ति को धनराशि ट्रांसफर कर रहा है। पूछताछ में वह स्पष्ट जानकारी नहीं दे रहा था और उसकी स्थिति से प्रतीत हो रहा था कि वह किसी के दबाव में फोन पर बताए गए खातों में धनराशि ट्रांसफर कर रहा है। सूचना पर प्रभारी निरीक्षक धीरेन्द्र कुमार चौधरी मय टीम बैंक पहुंचे, लेकिन तब तक उक्त व्यक्ति बैंक से जा चुके थे। पुलिस द्वारा उनकी तलाश कराई गई तथा पुलिस अधीक्षक को अवगत कराया गया। एसपी

श्रद्धांजलि एवं शोक संदेश

आधुनिक समाचार के नियमित पाठक एवं टीम के आत्मीय मित्र, बॉलीवुड अभिनेता जनाब मुश्ताक़ खान जी के निधन का समाचार अत्यंत दुःखद एवं हृदयविदारक है। ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें और शोकाकुल परिजनों, मित्रों एवं प्रशंसकों को यह अपार दुःख सहने की शक्ति दें।विनम्र श्रद्धांजलि।ॐ शांति।

प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) से हजारों परिवारों का हुआ अपना पक्का घर का सपना साकार

प्रथम चरण में 10,628 तथा द्वितीय चरण में 4,797 लाभार्थियों को मिला योजना का लाभ

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के माध्यम से जनपद के शहरी क्षेत्रों में पात्र एवं जरूरतमंद परिवारों को पक्का आवास उपलब्ध कराने की दिशा में निरंतर प्रभावी कार्य किया जा रहा है। योजना के अंतर्गत आर्थिक रूप से कमजोर एवं पात्र परिवारों को आवास निर्माण के लिए आवश्यक सहायता उपलब्ध कराकर उन्हें सुरक्षित एवं सम्मानजनक आवास की सुविधा प्रदान की जा रही है। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के प्रथम चरण के अंतर्गत जनपद में 10,628 लाभार्थियों को लाभान्वित किया गया है। वहीं योजना के द्वितीय चरण में अब तक 4,797 लाभार्थियों को योजना का लाभ प्रदान किया जा चुका है। इस प्रकार दोनों चरणों में कुल 15,425 लाभार्थी योजना से लाभान्वित हुए हैं। योजना का उद्देश्य शहरी क्षेत्रों में आवासहीन एवं जरूरतमंद परिवारों को पक्का आवास उपलब्ध कराते हुए उनके जीवन स्तर में सुधार लाना है। योजना के माध्यम से पात्र लाभार्थियों को आवास निर्माण के लिए निर्धारित मानकों के अनुसार सहायता प्रदान की जा रही है, जिससे वे अपने परिवार के लिए सुरक्षित एवं स्थायी आवास का निर्माण कर सकें। जिला प्रशासन एवं संबंधित विभाग द्वारा योजना के क्रियान्वयन की निरंतर समीक्षा की जा रही है, ताकि पात्र लाभार्थियों को शासन की मंशा के अनुरूप समयबद्ध एवं पारदर्शी तरीके से योजना का लाभ प्राप्त हो सके। साथ ही, यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि योजना का लाभ वास्तविक रूप से पात्र एवं जरूरतमंद परिवारों तक पहुंचे। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के माध्यम से जनपद में बड़ी संख्या में परिवारों को अपने स्वयं के पक्के आवास की सुविधा प्राप्त हुई है। योजना के प्रभावी क्रियान्वयन से लाभार्थियों के जीवन में स्थायित्व, सुरक्षा एवं बेहतर आवासीय सुविधाओं का मार्ग प्रशस्त हुआ है।

यूपी में जोरदार बारिश, 32 जिलों में बाढ़ का खतराःलखनऊ में 30 घंटे से बरसात

लखनऊ। बंगाल की खाड़ी में बने चक्रवात 'अर्नब' से यूपी में मौसम बिगड़ गया है। लखनऊ, गोरखपुर समेत 32 जिलों में अचानक बाढ़ का खतरा मंडराने लगा है। राहत आयुक्त ने चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि लोग सतर्क रहें। नदी के किनारों से दूर रहें। बारिश के बीच जरूरी होने पर ही घर से बाहर निकलें।इधर, 54 शहरों में 24 घंटे से रुक-रुक कर जोरदार बारिश हो रही है। लखनऊ में 30 घंटे से लगातार बारिश हो रही है। अमेठी में पुलिस जगह-जगह अनाउंस कर रही है कि जलभराव वाले इलाकों से दूर रहें। लखनऊ में सुबह से अंधेरा छाया है। ग्रामीण इलाकों में तेज हवाओं से फसलें गिर गई हैं। खेतों में पानी भर गया है। सीएम योगी ने अफसरों को फील्ड में उतरने का निर्देश दिया है। इधर, ललितपुर में लगातार हो रही बारिश से जामनी नदी उफान पर है। कुझान घाट के पास पुल डूब जाने से पानी के तेज बहाव में एक पेट्रोल टैंकर फंस गया। बहकर नदी के किनारे लटक गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। ग्रामीणों की मदद से टैंकर को सुरक्षित बाहर निकाला। मौसम विभाग (आईएमडी) के मुताबिक, बंगाल की खाड़ी से उठे इस चक्रवाती तूफान की वजह से यूपी, बिहार, एमपी और आसपास के राज्यों में मौसमी गतिविधियां तेज हुई हैं। इसका असर 27 सितंबर तक रहेगा।पिछले 24 घंटों में सबसे ज्यादा 71.6 मिमी बारिश बलरामपुर में हुई।

वाराणसी खण्ड स्नातक/शिक्षक निर्वाचन की तैयारियों को लेकर नोडल अधिकारियों की बैठक 28 सितम्बर को

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। उत्तर प्रदेश विधान परिषद के वाराणसी खण्ड स्नातक/शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र का निर्वाचन दिनांक 23 अक्टूबर, 2026 को सम्पन्न होगा। निर्वाचन को सकुशल एवं व्यवस्थित ढंग से सम्पन्न कराने के लिए निर्वाचन संबंधी गतिविधियों एवं तैयारियों की समीक्षा हेतु जिलाधिकारी महोदय की अध्यक्षता में समस्त नोडल अधिकारियों एवं सहायक नोडल अधिकारियों की बैठक दिनांक 28 सितम्बर, 2026 को दोपहर 12:00 बजे कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित की जाएगी। बैठक में वाराणसी खण्ड स्नातक/शिक्षक निर्वाचन से संबंधित तैयारियों एवं निर्वाचन प्रक्रिया के विभिन्न कार्यों पर चर्चा की जाएगी।

समस्त संबंधित नोडल अधिकारियों से अपने-अपने सहायक नोडल अधिकारियों के साथ निर्धारित तिथि एवं समय पर बैठक में अनिवार्य रूप से प्रतिभाग करने की अपेक्षा की गई है।

डीएम ने सड़क परियोजनाओं के लिए भूमि अधिग्रहण एवं मुआवजा वितरण की समीक्षा,निर्माण कार्यों से प्रभावित एवं क्षतिग्रस्त सड़कों का समयबद्ध ढंग से कराया जाए पुनर्स्थापन- डीएम

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका की अध्यक्षता

में कलेक्ट्रेट सभागार में जनपद में संचालित विभिन्न सड़क परियोजनाओं के संबंध में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न सड़क परियोजनाओं हेतु आवश्यक भूमि अधिग्रहण, अधिग्रहित भूमि के संबंध में मुआवजा वितरण तथा सड़क निर्माण कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों से परियोजनावार भूमि अधिग्रहण की स्थिति की जानकारी प्राप्त करते हुए निर्देश दिए कि जिन परियोजनाओं में भूमि अधिग्रहण की कार्यवाही लंबित है, उसमें नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण कराया जाए। साथ ही पात्र भू-स्वामियों को देय मुआवजा राशि के वितरण की प्रक्रिया में अनावश्यक विलंब न हो, यह सुनिश्चित किया जाए। बैठक में विभिन्न सड़क परियोजनाओं के निर्माण एवं चौड़ीकरण कार्यों के दौरान क्षतिग्रस्त अथवा प्रभावित हुई सड़कों की स्थिति की भी समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्माण कार्यों के कारण प्रभावित सड़कों की मरम्मत एवं पुनर्स्थापना का कार्य प्राथमिकता से कराया जाए, जिससे आमजन को आवागमन में किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने सड़क निर्माण एवं पुनर्स्थापना कार्यों में गुणवत्ता मानकों का विशेष ध्यान रखने के भी निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद में संचालित सड़क परियोजनाएं जनहित से सीधे जुड़ी हुई हैं। अतः भूमि अधिग्रहण, मुआवजा वितरण तथा निर्माण कार्यों से संबंधित सभी प्रक्रियाओं को आपसी समन्वय के साथ समयबद्ध एवं पारदर्शी ढंग से पूर्ण कराया जाए।

उन्होंने संबंधित उप जिलाधिकारियों एवं विभागीय अधिकारियों को परियोजनाओं की नियमित निगरानी करते हुए लंबित प्रकरणों का नियमानुसार शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बैठक में अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ, अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) विशाल कुमार यादव सहित संबंधित उप जिलाधिकारी एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

अंतःकरण विशुद्ध था भारत के भक्त थेः प्रद्युम्न त्रिपाठी

पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती के उपलक्ष्य में साहित्य दीप संस्थान चुर्क ने किया काव्य संध्या का आयोजन,रॉबर्ट्सगंज कचहरी परिसर स्थित अधिवक्ता भवन में हुआ आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। साहित्य दीप संस्थान चुर्क के तत्वावधान में पं दीनदयाल

उपाध्याय जयंती के उपलक्ष्य में शुक्रवार शाम को काव्य संध्या, रॉबर्ट्सगंज कचहरी परिसर स्थित अधिवक्ता भवन में आयोजित कर कवियों ने विविध रसों से सराबोर कविता सुनाकर माहौल रससिक्त कर दिया। अध्यक्षता करते हुए वरिष्ठ गीतकार ईश्वर विरागी, मुख्य अतिथि कमलेश सिंह खांबे व विशिष्ट अतिथि अजय चतुर्वेदी कक्का ने पं0 दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर माल्यार्पण किया। सुधाकर पांडेय स्वदेश प्रेम की वाणी वंदना से आयोजन का विधिवत शुभारंभ हुआ। संचालन करते हुए शहीद स्थल प्रबंधन ट्रस्ट करारी प्रमुख प्रदुम्न त्रिपाठी एडवोकेट ने, फूल से भी कोमल पाहन से सख्त थे, अंतःकरण विशुद्ध था भारत के भक्त थे, देते रहे वे आहुति इस हवन कुंड में, शेखर सुभाष बिस्मिल भगत सिंह के रक्त थे। सुनाकर माहौल को ऊंचाई दिये। अजय चतुर्वेदी कक्का ने कत्ल करना है मेरा तो सर है हाजिर कीजिये, सुनाकर वाहवाही लूटी। कवि दिलीप सिंह दीपक ने,मोहब्बत की जमीं है ए इसका सम्मान मत बेचो, चंद सिक्कों के लिए अपना ईमान मत बेचो सुनाकर व्यवस्था को सचेष्ट किया सराहे गये। सुधाकर पांडेय स्वदेश प्रेम ने, तिरंगे में सजे अर्थी बजे धुन राष्ट्र गीतों की, जनाजा जब मेरा निकले वतन के वास्ते निकले सुनाकर राष्ट्र भक्ति की हुंकार भरे। शाइर अशोक तिवारी एड ने इतनी भी नादानी न हो उनको परेशानी न हो सुनाकर गंभीर शायरी से लोगों को लुभाये। सोन साहित्य संगम के राकेश शरण मिश्र एड ने कविता पुष्प से पूरा वातावरण सुगंध युक्त कर भावभीनी श्रद्धांजलि दिये।ओज कवि प्रभात सिंह चंदेल ने, देश की संसद जश्न मनाती वीर लड़ रहे सीमा पर सुनाकर सत्ता को आईना दिखाये।कवि दिवाकर दिवेदी मेघ ने हास्य व्यंग्य के समसामयिक तीक्ष्ण कटाक्ष व आम आदमी की पीर महंगाई बेरोजगारी से संदर्भित रचना पाठ कर लोगों को गुदगुदाये।कमलेश सिंह खांबे ने दरिद्र नारायण व अंत्योदय के पोषक दीनदयाल उपाध्याय के विषय में चिंतन दिये।

अध्यक्षता करते हुए गीतकार ईश्वर विरागी ने, जब तलक है रक्त की एक बूंद तन में, ऐ हिंद हम तुझको कभी झुकने न देंगे सुनाकर माहौल को पूर्ण ऊंचाई प्रदान किये।विवेक चतुर्वेदी, मदन चौबे एड, दयानंद दयालू, सुशील मिश्रा प्रमुख सोन संगीत फाउंडेशन ने भी काव्यांजलि में रचना पाठ से श्रद्धा सुमन अर्पित किये। इस अवसर पर जयशंकर त्रिपाठी एडवोकेट, देवानंद पांडेय एड, त्रिपुरारी मिश्रा एड, ऋषभ त्रिपाठी आदि मौजूद रहे।

ढोल नगाड़ों के साथ गणपत भगवान का राजघाट पर किया गया विसर्जन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। दिनांक 25 सितंबर 2026 दिन शुक्रवार भाद्र शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी तिथि अर्थात

अनंत चतुर्दशी तिथि पर बाबा जगमोहनेश्वर धाम चंदापुर मंदिर प्रांगण में प्राण प्रतिष्ठित गणपत भगवान का विसर्जन का कार्यक्रम बड़े श्रद्धा और भक्त के साथ संपन्न हुआ। प्रातः 9:30 बजे पूजन का कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। मुख्य यजमान आनंद जायसवाल, सर्वेश दीक्षित मुंशीगंज, कृष्णकांत त्रिपाठी, महेश सिकरिया, मंटू शुक्ला, रवि सोनी ,राहुल, धर्मेंद्र श्रीवास्तव, सतीश श्रीवास्तव देवानंदपुर, डॉक्टर शकुंलता सिंह, ने गणपत भगवान का पूजन आरंभ किया आचार्य अभिषेक मिश्रा के द्वारा गणपत अथर्वशीर्ष का पाठ किया गया इसके बाद गणेश जी को स्नान कराया गया। इसके उपरांत चंदन ,रोली, हल्दी, सिंदूर, अबीर, गुलाब की माला, कमल की माला, दूर्वा की माला गणेश जी को पहनाई गई।

इसके पश्चात सामूहिक हवन का कार्यक्रम संपन्न हुआ जिसमें गणेश जी के मंत्र गणपति नमः द्वारा आहुतियां दी गई हवन के कार्यक्रम में रेनू मिश्रा, नीतीश मिश्रा, सौम्या, शिशिरशुक्ला, अनामिका, किरण, आशीष सविता, मयंक श्रीवास्तव, ईशान शुक्ला मुख्य रूप से सम्मिलित हुए ।

दोपहर 3:00 बजे गणेश जी को सजे हुए रथ पर विराजित कराया गया और सुपर मार्केट, घंटाघर कैपर गंज होते हुए राजघाट को प्रस्थान हुआ।

रास्ते पर बूंदी का प्रसाद वितरित किया गया । विसर्जन की संपूर्ण व्यवस्था ऋषभ वर्मा के द्वारा व्यवस्थित की गई । बरसात होने के बावजूद भी अपार जनसमूह गणपत बप्पा मोरिया अगले बरस तू जल्दी आ के जयकारों से गूंज रहा था।

चुनाव आयोग और पेपर लीक के मामले में खूब गरजे अखिलेश यादव।

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। सपा के राष्ट्रीय

अध्यक्ष अखिलेश यादव अपने पीडीए रथ के साथ जनपद रायबरेली का एक दिवसीय दौरा किया। जीआईसी ग्राउंड में मैं सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा की भाजपा की सरकार बेरोजगारों के लिए कोई ठोस योजना रोजगार देने के लिए नहीं बना रही है यदि कोई नियुक्तियां भर्ती हेतु निकलती है तो उसका पेपर लीक हो जाता है और नौजवान अपने आप को ठगा हुआ महसूस करता है उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के विरुद्ध मोर्चा खोल उन्होंने कहा कि फिर के माध्यम से चुनाव आयोग ने विपक्षी दलों के काफी वोट काट दिए जिससे कि उन लोगों को कहीं-कहीं काफी छोटे मारजिन से हारना पड़ा। गठबंधन पर अखिलेश यादव बोले की गठबंधन बना रहेगा और बात सीटों की नहीं जीत की होगी जहां जिसका कैंडिडेट जीत रहा होगा वह सीट उसी दल की होगी। विधायक राहुल लोधी की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि अबकी बार पीडीए बनाम भाजपा तो होगा ही साथ ही राहुल लोधी बनाम बीजेपी भी होगा और लोधी समाज का पूरा वोट सपा को मिलेगा। सभा की समाप्ति के बाद सपा अध्यक्ष हरचंदपुर विधायक राहुल लोधी और जिला अध्यक्ष वीरेंद्र यादव के घर भी गए और उनके साथ बैठकर चाय भी पी तथा चर्चाएं भी की।

सभा में हजारों लोग दिन भर भीगते हुए डटे रहे। जनसभा को विधायक श्याम सुंदर भारती, विधायक देवेंद्र प्रताप सिंह, विधायक राहुल लोधी, सपा में शामिल पूनम सिंह आदि लोगों ने भी अपने विचार व्यक्त किये।

जिला उद्योग बन्धु समिति की बैठक आयोजित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। दिनांक 25.09.2026 को समय अपरान्ह 04.00 बजे जिलाधिकारी महोदय की अध्यक्षता में एवं मुख्य विकास अधिकारी महोदया की उपस्थिति में संगम सभागार कलेक्ट्रेट परिसर में जिला उद्योग बन्धु समिति की बैठक आयोजित की गयी जिसमें ऋण परक योजनाओं की समीक्षा के दौरान पाया गया कि सी0एम0 युवा उद्यमी विकास अभियान योजनान्तर्गत की प्रगति पर जिलाधिकारी महोदय द्वारा अप्रसन्नता व्यक्त करते हुए निर्देश दिये गये कि खराब प्रगति वाले बैंकों के क्षेत्रीय प्रबन्धक के साथ एक आयोजित की जाय। साथ ही साथ यह भी निर्देश दिये गये कि एक जनपद एक व्यंजन (ओडीओसी) जिलास्तरीय क्रियान्वयन समिति की एक बैठक आहूत कर ली जाय। उद्योग बन्धु समिति की बैठक में जनपद प्रयागराज के उद्यमियों की समस्याओं का निस्तारण कराया गया। पांच बिन्दुओं के प्रकरण पर आर0एम0 यूपीसीडा द्वारा अद्यतन प्रगति से समिति को अवगत कराया गया कि कैफेटेरिया या कम्युनिटी हाल का निर्माण कार्य प्रगति पर

है, औद्योगिक क्षेत्र में पूर्णकालिक एम्बुलेंस एवं फायर की व्यवस्था हेतु सरस्वती हाईटेक सिटी नैनी में भूमि का आवंटन कर दिया गया है। आर0एम0 यूपीसीडा का अवरूद्ध वेतन बहाल किया जाय तथा अधिशासी अभियन्ता यूपीसीडा (सरस्वती हाईटेक सिटी नैनी) का वेतन अवरूद्ध किया जाय। मे0 दरबारी इण्डस्ट्रीज के प्रकरण पर विद्युत नोडल द्वारा स्पष्ट उत्तर न दिये जाने के कारण प्रकरण के सम्बन्ध में एम0डी0 विद्युत विभाग को पत्र प्रेषित कराने एवं इकाई के साथ अलग से बैठक आहूत कराये जाने के निर्देश दिये गये। श्री शरद टण्डन उपायुक्त उद्योग द्वारा जिलाधिकारी महोदय एवं मुख्य विकास अधिकारी महोदया का बैठक में स्वागत करते हुए बैठक का संचालन किया गया, बैठक में अधिशासी अभियन्ता विद्युत नोडल, आर0एम0 प्रदूषण विभाग, मुख्य अग्नि शमन अधिकारी, अधिशासी अभियन्ता विद्युत नैनी, सहायक जिला अग्रणी प्रबन्धक, आर0एम0 यूपीसीडा, इत्यादि बैठक में प्रतिभाग किया गया एवं औद्योगिक संगठन के पदाधिकारी श्री विनय टण्डन, चैम्बर आफ कामर्स, डा0 जी0एस0 दरबारी,

श्री राजीव नैयर, नैनी इण्डस्ट्रीज एसोसियेशन नैनी, श्री नटवर लाल, श्री अनुराग मिश्रा उद्यमी, सहायक आयुक्त उद्योग श्रीमती सारिका सिंह, अपर सांख्यिकी अधिकारी श्री राजेश कुमार यादव, सहायक प्रबन्धक एवं अन्य विभागों के अधिकारी तथा उद्यमीगण उपस्थित रहे।

विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के तहत बुनकर, मोची, राजमिस्त्री एवं कुम्हार ट्रेड के आवेदकों का 26 सितम्बर को साक्षात्कार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। उपायुक्त उद्योग, जिला

उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केन्द्र, सोनभद्र श्री विनोद कुमार चौधरी ने अवगत कराया है कि वित्तीय वर्ष 2026-27 के अन्तर्गत विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजनान्तर्गत प्रशिक्षण एवं टूलकिट प्रदान करने हेतु 01 अप्रैल, 2026 के बाद पोर्टल पर ऑनलाइन प्राप्त आवेदनों में से दिनांक 25 सितम्बर, 2026 तक प्राप्त आवेदनों का चयन किया जाना है। उन्होंने बताया कि बुनकर, मोची, राजमिस्त्री एवं कुम्हार ट्रेड के आवेदकों का साक्षात्कार दिनांक 26 सितम्बर, 2026 को प्रातः 11:00 बजे कार्यालय जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केन्द्र, सोनभद्र में आयोजित किया जाएगा। अतः समस्त संबंधित आवेदकों से अनुरोध है कि निर्धारित तिथि, समय एवं स्थान पर आधार कार्ड, शैक्षिक योग्यता, जाति प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र एवं अनुभव प्रमाण

पत्र आदि से संबंधित समस्त दस्तावेज दो प्रतियों

(एक मूल एवं एक छायाप्रति) में लेकर साक्षात्कार में

उपस्थित होना सुनिश्चित करें।

पारस सिंह कॉलेज ऑफ फार्मेसी में धूमधाम से मनाया गया 'वर्ल्ड फार्मासिस्ट डे'

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। विकास खंड करमा

अंतर्गत ग्राम कसया कला स्थित पारस सिंह कॉलेज ऑफ फार्मेसी

में शुक्रवार, 25 सितंबर 2026 को 'वर्ल्ड फार्मासिस्ट दिवस' (विश्व फार्मासिस्ट दिवस) अत्यंत धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भारतीय फार्मेसी शिक्षा के जनक (फादर ऑफ इंडियन फार्मेसी एजुकेशन) प्रोफेसर डॉ. महादेव लाल श्राफ के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर वक्ताओं ने डॉ. एम. एल. श्राफ के स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में दिए गए अतुलनीय योगदान को याद किया और छात्रों को उनके आदर्शों पर चलने की प्रेरणा दी। ?समारोह के दौरान संस्थान के प्रवक्ताओं एवं अतिथियों ने स्वास्थ्य सेवा प्रणाली में फार्मासिस्टों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि फार्मासिस्ट केवल दवाएं देने का काम नहीं करते, बल्कि वे मरीज और डॉक्टर के बीच एक मजबूत कड़ी के रूप में समाज के स्वास्थ्य की रक्षा करते हैं। इस अवसर पर डॉ. दशरथ, डॉ. प्रकाश कुमार, डॉ. प्रदीप कुमार, विकास मेहता (यूपी वाले), सूरज पटेल, राजकुमार, रंजना मौर्य, जयप्रकाश वर्मा, संध्या सिंह मौर्या तथा कनिष्क सिंह मौर्य मुख्य रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। अंत में सभी उपस्थित महानुभावों ने एक-दूसरे को फार्मासिस्ट दिवस की बधाई दी और मरीजों की सेवा का संकल्प लिया।

विशेष पाक्सो जागरुकता अभियान के अन्तर्गत आयोजित हुआ जागरुकता शिविर

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ तथा

मा0 अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण/जनपद न्यायाधीश, रायबरेली अमित पाल सिंह के निर्देशानुसार व सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, रायबरेली अनिशा के दिशा-निर्देशन में विशेष पाक्सो जागरुकता अभियान के अन्तर्गत आज वीणा पाणी इण्टर कालेज, आचार्य द्विवेदी इण्टर कालेज व लाल ऋषि कन्या इण्टर कालेज में विशेष पाक्सो जागरुकता शिविर का आयोजन किया गया। वीणा पाणी इण्टर कालेज में अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अमोद कंठ के द्वारा बताया गया कि पॉक्सो एक्ट 2012 एक सख्त कानून है जो 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को यौन शोषण, उत्पीड़न और पोर्नोग्राफी जैसे अपराधों से सुरक्षा प्रदान करता है। आचार्य द्विवेदी इण्टर कालेज में अपर जिला जज गुणेन्द्र प्रकाश द्वारा उपस्थित बच्चों को जीवन जीने की कला व पाक्सों एक्ट के सम्बन्ध में बहुत ही सरल तरीके से समझाया गया। इस अवसर पर न्यायिक मजिस्ट्रेट शमवील रिजवान के द्वारा उपस्थित बच्चों को गुड टच, बैड टच व ए0आई0 के सम्बन्ध में विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की गयी। लाल ऋषि कन्या इण्टर कालेज में आयोजित विशेष पाक्सो जागरुकता कार्यक्रम में विनोद कुमार सप्तम उपस्थित बच्चों को न कहने का अधिकार, गोपनीय व अचानक हुई बातों में अन्तर, इन विषयों पर खुलकर बात करना और उसकी रिपोर्ट व डिजिटल सुरक्षा सम्बन्धी विषय पर विस्तार पूर्वक जानकारी प्रदान की। इस अवसर पर नीलांचल चौधरी अपर सिविल जज जू0डि0 के द्वारा उपस्थित बच्चों को बताया गया कि जब भी कभी आपको असहजता लगे उसकी रिपोर्ट आप तुरंत करना चाहिए। यह आप का अधिकार है, इस सम्बन्ध में आप चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 व नालसा हेल्प लाइन 15100 पर विधिक सहायता प्राप्त कर सकते है। इस विशेष पाक्सों जागरुकता शिविर में वीणा पाणी इण्टर कालेज रायबरेली के प्रधानाचार्य अजीत कुमार शर्मा, अध्यापक प्रेम नरायण, स्वाती शर्मा, प्रज्ञा आचार्य द्विवेदी इण्टर कालेज के प्रधानाचार्य कृष्णकान्त, सहायक अध्यापक पंकज दास, रामू यादव, फतेन्द्र सिंह, पारसनाथ पाण्डेय, लाल ऋषि कन्या इण्टर कालेज के प्रधानाचार्य पूनम वर्मा, शिक्षिका शालिनी प्रभाकर, कल्पना गौतम, रेनू सोनकर, नैनषी मिश्रा, प्राची त्रिपाठी व पराविधिक स्वयं सेवक मनोज कुमार प्रजापति, पूनम सिंह, रुचिता यादव, राजकिशोर, पवन कुमार श्रीवास्तव, किरन तिवारी उपस्थित रही।

सीबीएसई नेशनल में रेफरी बनकर सोनभद्र के रवि सिंह ने बढ़ाया जिले का मान, पंजाब पुलिस के हेड कोच शिव कुमार ने किया सम्मानित

रेणुकूट/सोनभद्र। उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिले के रेणुकूट निवासी एवं हिण्डालको इंडस्ट्रीज लिमिटेड, रेणुकूट के बॉयलर को-जनरेशन विभाग में कार्यरत अंतर्राष्ट्रीय ताईक्वानडो खिलाड़ी रवि सिंह ने सीबीएसई नेशनल ताईक्वानडो चैंपियनशिप-2026 में नेशनल रेफरी के रूप में अपनी जिम्मेदारी निभाकर जिले का नाम रोशन किया है। हरियाणा के पानीपत स्थित बाल विकास प्रोग्रेसिव स्कूल, जटल में 19 से 24 सितंबर 2026 तक आयोजित सीबीएसई नेशनल ताईक्वानडो चैंपियनशिप में देशभर के विभिन्न विद्यालयों से आए खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता के दौरान रवि सिंह ने निष्ठा, निष्पक्षता, अनुशासन और खेल भावना के साथ नेशनल रेफरी की भूमिका निभाई तथा मुकाबलों

के निष्पक्ष संचालन में महत्वपूर्ण योगदान दिया। चैंपियनशिप के सफल आयोजन एवं समापन में ऑब्जर्वर शिव कुमार, पंजाब पुलिस के हेड कोच एवं महाराजा रणजीत सिंह पुरस्कार से सम्मानित खिलाड़ी, की महत्वपूर्ण भूमिका रही। शिव कुमार एशियन गेम्स एवं वर्ल्ड चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। प्रतियोगिता के समापन अवसर पर उन्होंने नेशनल रेफरी रवि सिंह को मंच पर सम्मानित कर उनके निर्णायक कार्य की सराहना की। इसी अवसर पर डॉ. जोसेफ लिम, चेयरमैन, 9 डैन कुक्कीवोन इंडिया नॉर्थ ब्रांच एवं सीनियर एडवाइज़र, कोरियन कल्चरल सेंटर इंडिया, ने भी मंच पर रवि सिंह से हाथ मिलाकर उन्हें सम्मानित किया। दोनों प्रतिष्ठित खेल हस्तियों से मिले सम्मान को रवि सिंह ने अपने लिए गौरवपूर्ण एवं प्रेरणादायी क्षण बताया। चैंपियनशिप के सफल संचालन में सीबीएसई स्पोर्ट्स कोऑर्डिनेटर निखिल हंस, सीबीएसई नेशनल ऑर्गनाइजिंग सेक्रेटरी रवि कादयान तथा टूर्नामेंट डायरेक्टर सौरभ शर्मा की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही। रवि सिंह ने अपनी इस सफलता का श्रेय अपने कोच हरप्रीत सिंह और राकेश कुमार को दिया गौरतलब है कि रवि सिंह विश्व क्वान की डो चैंपियनशिप में भारत के लिए रजत पदक जीत चुके हैं तथा कई अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में देश का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं।वे एनआईएस कोच, नेशनल रेफरी एवं 4 डैन ब्लैक बेल्ट हैं। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर खिलाड़ी के रूप में देश का प्रतिनिधित्व करने के बाद राष्ट्रीय स्तर की प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में नेशनल रेफरी के रूप में जिम्मेदारी निभाना उनके खेल जीवन की महत्वपूर्ण उपलब्धि है। रवि सिंह की इस उपलब्धि पर हिण्डालको रेनुकूट, सोनभद्र सहित खेल जगत से जुड़े लोगों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कालीन हस्तशिल्पियों/कारीगरों के चयन हेतु 26 सितम्बर को साक्षात्कार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। उपायुक्त उद्योग, जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केन्द्र, सोनभद्र श्री विनोद कुमार चौधरी ने अवगत कराया है कि वित्तीय वर्ष 2026-27 के अन्तर्गत 'एक जनपद एक उत्पाद' प्रशिक्षण एवं टूलकिट योजना के तहत कालीन के हस्तशिल्पियों, उद्यमियों एवं कारीगरों को प्रशिक्षण एवं टूलकिट प्रदान किए जाने हेतु दिनांक 01 अप्रैल 2026 के बाद से 25 सितम्बर 2026 तक पोर्टल पर प्राप्त ऑनलाइन आवेदनों के सापेक्ष चयन हेतु दिनांक 26 सितम्बर 2026 को प्रातः 11:00 बजे कार्यालय जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केन्द्र, सोनभद्र में साक्षात्कार आयोजित किया जाएगा।उन्होंने बताया कि समस्त आवेदक निर्धारित तिथि, समय एवं स्थान पर अपने आधार कार्ड, शैक्षिक योग्यता, जाति, आय प्रमाण पत्र एवं अनुभव प्रमाण पत्र सहित सम्बन्धित समस्त दस्तावेज दो प्रतियों (एक मूल एवं एक छायाप्रति) में लेकर साक्षात्कार में उपस्थित होना सुनिश्चित करें।

जिला स्तरीय व्यापार बन्धु की बैठक 29 सितम्बर को।

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। कार्यालय उपायुक्त

(प्रशासन), राज्यकर, सोनभद्र ने अवगत कराया है कि माह अगस्त, 2026 की जिला स्तरीय व्यापार बन्धु की बैठक जिलाधिकारी, सोनभद्र की अध्यक्षता में दिनांक 29 सितम्बर, 2026 (मंगलवार) को मध्यान्ह 11:00 बजे कलेक्ट्रेट सभागार, सोनभद्र में आयोजित की जाएगी। बैठक में व्यापारियों से संबंधित विभिन्न समस्याओं एवं विषयों पर विचार-विमर्श किया जाएगा। संबंधित अधिकारियों एवं व्यापार बन्धु के सदस्यों से निर्धारित समय पर बैठक में उपस्थित होने की अपेक्षा की गई है।

जे.एस.पी महाविद्यालय में धूमधाम से मनाई गई पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की जयंती

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। विकास खंड करमा

अंतर्गत कसया कला स्थित जे एस पी महाविद्यालय (जे.एस.पी कॉलेज) परिसर में एकात्म मानववाद एवं अंत्योदय के प्रणेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की जयंती अत्यंत धूमधाम एवं श्रद्धापूर्वक मनाई गई। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों द्वारा पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन कर की गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित भारतीय जनता पार्टी सोनभद्र के जिला महामंत्री डॉ. प्रसन्न पटेल ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के जीवन-दर्शन और उनके विचारों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास की किरण पहुंचाना ही उनके अंत्योदय का मूल ध्येय था, जिसे आज हम सभी को अपने जीवन में उतारने की आवश्यकता है।इस अवसर पर जे एस पी महाविद्यालय के संस्थापक बाबू पारस नाथ सिंह ने आए हुए सभी अतिथियों का स्वागत किया और युवाओं से पंडित दीनदयाल जी के बताए मार्ग पर चलने का आह्वान किया। कार्यक्रम में भाजपा बूथ अध्यक्ष अर्जुन सिंह पटेल ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से विकास मेहता (यूपी वाले), डॉ. प्रकाश कुमार,

उत्तर प्रदेश मीडिया प्रभारी जयप्रकाश वर्मा, हंस एलएक्स पब्लिक स्कूल (कसया कला) की प्रबंधिका ममता सिंह, डॉ. दशरथ, डॉ. प्रदीप कुमार, कनिष्क सिंह मौर्य, खुशबू, सुनीता यादव एवं संध्या सिंह मौर्या सहित अनेक गणमान्य नागरिक, शिक्षकगण एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में महाविद्यालय प्रशासन की ओर से सभी उपस्थित अतिथियों व आगंतुकों का आभार व्यक्त किया गया।

दुद्धी से रेस्क्यू हुई नन्ही बच्ची को जिलाधिकारी ने गोद में लेकर रखा नाम कीर्ति, भावुक हुआ माहौल, नन्ही 'कीर्ति' के सुरक्षित भविष्य की जिम्मेदारी प्रशासन ने उठाई, डीएम ने कहा बच्चों की देखभाल में नहीं रहेगी कोई कमी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। कभी-कभी एक नाम महज पहचान नहीं होता, बल्कि किसी की जिंदगी में नई उम्मीद की शुरुआत बन जाता है। दुद्धी क्षेत्र से रेस्क्यू की गई महज आठ दिन की नवजात बच्ची के लिए भी शुक्रवार का दिन कुछ ऐसा ही रहा। वन स्टॉप सेंटर एवं राजकीय विशेषज्ञ दत्तक ग्रहण इकाई के निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने नन्ही बच्ची का नामकरण करते हुए उसे 'कीर्ति' नाम दिया। बच्ची को मिली इस नई पहचान के दौरान माहौल भावुक हो उठा। शुक्रवार को जिलाधिकारी चर्चित गौड़ वन स्टाप सेंटर व दत्तक ग्रहण इकाई का निरीक्षण करने पहुंचे। इस दौरान उन्होंने यहां पर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। दत्तक ग्रहण इकाई में वर्तमान में दो नवजात बच्चे आवासित मिले। इनमें गौरी जनवरी 2026 से इकाई में रह रही है, जबकि दुद्धी से करीब छह दिन पूर्व रेस्क्यू की गई लगभग आठ दिन की नवजात बच्ची भी यहां लाई गई है। निरीक्षण के दौरान मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी भी मौजूद थी। नन्ही बच्ची का नामकरण करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि बच्चों की देखभाल में किसी प्रकार की कमी नहीं रहनी चाहिए। प्रशासन का उद्देश्य केवल बच्चों को आश्रय उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि उन्हें सुरक्षित वातावरण, अपनापन और बेहतर भविष्य का अवसर देना है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि बच्चों की जरूरतों और सुविधाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। कीर्ति के लिए भवन में लगेगा सोलर सिस्टम, बनेगा किचन गार्डन-'कीर्ति'

के लिए प्रशासन ने परिसर को और बेहतर बनाने की दिशा में भी कदम बढ़ाए हैं। जिलाधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी ने भवन में सोलर सिस्टम, किचन गार्डन तथा परिसर में इंटरलॉकिंग का कार्य सीएसआर के माध्यम से कराने के निर्देश दिए। वहीं कार्यदायी संस्था डूडा को भवन की आवश्यक मरम्मत और अधूरे कार्य शीघ्र पूरा कराने को कहा गया, ताकि बच्चों और यहां आने वाली महिलाओं को सुरक्षित एवं सुविधाजनक वातावरण मिल सके। निरीक्षण के दौरान परिसर की साफ-सफाई व्यवस्था संतोषजनक पाई गई। वन स्टॉप सेंटर में कुल 12 कार्मिक कार्यरत हैं, जिनमें केंद्र प्रशासक सहित सात मौके पर उपस्थित मिले, जबकि अन्य शिफ्टवार ड्यूटी पर तैनात हैं। दत्तक ग्रहण इकाई में अधीक्षिका सहित कुल 10 कार्मिक कार्यरत हैं। इनमें चार मौके पर उपस्थित मिले और शेष शिफ्टवार ड्यूटी कर रहे हैं। पुलिस विभाग की ओर से एक महिला आरक्षी भी तैनात है। नन्ही 'कीर्ति' के लिए यह नामकरण केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि उसके सुरक्षित भविष्य की दिशा में बढ़ाया गया संवेदनशील कदम है। प्रशासन की इस पहल से यह संदेश भी सामने आया कि संरक्षण की जरूरत वाले बच्चों को केवल छत नहीं, बल्कि सुरक्षा, स्नेह और सम्मान के साथ बेहतर बचपन देने की जिम्मेदारी भी व्यवस्था की है। इस मौके पर प्रभारी जिला प्रोबेशन अधिकारी श्री ज्ञानेन्द्र सिंह भदौरिया, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी श्री सुधांशु शेखर शर्मा, अपर जिला सूचना अधिकारी श्री विनय कुमार सिंह, वन स्टाप केन्द्र प्रशासक दीपिका सिंह सहित सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहें।

किसान संघ भी उतरा विन्ध्य एक्सप्रेस वे वापस हो को लेकर-किसान नौजवान संघर्ष मोर्चा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिलाधिकारी कार्यालय में एक दिवसिय धरना किसान संघ द्वारा आयोजित किया गया अन्नदाताओ के आदेश पर किसान नौजवान संघर्ष मोर्चा के संयोजक सदीप मिश्र धरना स्थल पहुँचे और अन्नदाताओ इस धरती के भगवान को सम्बोधित करते हुए मोर्चा संयोजक ने कहा कि जब कोई किसान कोई सोनभद्र वासी नहीं चाहता तो जबरदस्ती सरकार क्यों

एक्सप्रेस वे थोपना चाहती है यह लड़ाई केवल किसान ही नहीं आदिवासी अस्मिता की व परम्परा बचाने की लड़ाई है हम सब जल जंगल जमीन नहीं उजाड़ने देन्गे जब हमारे अन्नदाता जमीन देने को नहीं तैयार हैं तो जबरन प्रसासन हस्ताक्षर न कराए नहीं होगा और बड़ा आन्दोलन। वही किसान संघर्ष समिति के अध्यक्ष मनोज कुशवाहा ने कहा की हम जान दे देन्गे पर जमीन नहीं देंगे। ज्योति प्रकाश सिंह ने कहा कि किसानहित की लड़ाई अब आर पार की होगी। रामबहादुर सिंह जी किसान संघ के जिलाध्यक्ष किसानो की अनदेखी बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। रामजी सिंह मौर्य ने कहा कि धरती हमारी माता है मता का सौदा हमे नहीं आता। अमित जायसवाल ने कहा कि अन्नदाताओ का अनादर हम बर्दाश्त नहीं करने वाले आज के कार्यक्रम में विनोद मौर्य कमलेश मौर्य बिकास बिन्द अमित सन्तोष रितेश व हजारों की सख्या में किसान उपस्थित रहे।

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE
कौशलं बलम्
(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)
सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी
फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड
कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।
Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480
ALL TYPE PRINTING SOLUTION
Enjoy Publicity

स्पोर्ट्स

सिगरेट के एक कश में 7000 टॉक्सिन्स,'वर्ल्ड लंग्स डे' पर देखें, हेल्दी और स्मोकर्स लंग्स का फर्क, हेल्दी रखने के 15 टिप्स

नयी दिल्ली। हमारे फेफड़े हर दिन करीब 20 हजार बार

सांस लेकर शरीर के हर हिस्से तक ऑक्सीजन पहुंचाते हैं। यही ऑक्सीजन हमें चलने, दौड़ने, सोचने और जिंदा रहने की ताकत देती है। लेकिन सिगरेट का हरेक कश इन फेफड़ों पर नया हमला करता है। इसका असर तुरंत तो नजर नहीं आता, लेकिन सिगरेट धीरे-धीरे फेफड़ों की क्षमता को कम करती है। लंबे समय तक धूम्रपान फेफड़ों को इतना नुकसान पहुंचा सकता है कि कई गंभीर बीमारियों और यहां तक कि लंग कैंसर का खतरा भी बढ़ जाता है। स्थिति की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, लंग कैंसर दुनिया में सबसे ज्यादा डायग्नोज होने वाले कैंसर में से एक है। यह कैंसर से होने वाली मौतों में भी सबसे बड़ा कारण है। वहीं, अमेरिकी स्वास्थ्य एजेंसी 'सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन' के मुताबिक, लंग कैंसर से होने वाली लगभग 10 में से 9 मौतें सिगरेट पीने या पैसिव स्मोकिंग से जुड़ी होती हैं। आज 'वर्ल्ड लंग्स डे' है। इसलिए आज 'जरूरत की खबर' में फेफड़ों की बात करेंगे। साथ ही जानेंगे कि- हेल्दी लंग्स और स्मोकर्स लंग्स में क्या फर्क है? धूम्रपान छोड़ने के बाद फेफड़े किस हद तक खुद को रिपेयर कर सकते हैं? फेफड़े शरीर के सबसे मेहनती अंगों में से एक हैं। लेकिन धूम्रपान से उनकी क्षमता धीरे-धीरे कम होती जाती है। फेफड़ों को हेल्दी रखने के लिए सबसे जरूरी कदम यही है कि सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पादों से दूर रहा जाए। विषय को समझेंगे एक्सपर्ट- डॉ. प्रीतपाल कौर, सीनियर कंसल्टेंट, पल्मोनोलॉजी, अपोलो स्पेक्ट्रा हॉस्पिटल, दिल्ली जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- स्मोकर्स लंग्स क्या होते हैं? जवाब- स्मोकर्स लंग्स कोई मेडिकल टर्म नहीं है। डॉक्टर इस शब्द का इस्तेमाल उन लंग्स के लिए करते हैं, जिन पर लंबे समय तक धूम्रपान का असर पड़ चुका होता है। सिगरेट का धुआं लंग्स के स्ट्रक्चर और उनकी कार्यक्षमता को नुकसान पहुंचाता है। इसी वजह से ऐसे फेफड़ों को आमतौर पर 'स्मोकर्स लंग्स' कहा जाता है। सवाल- हेल्दी और स्मोकर्स लंग्स में क्या फर्क है? जवाब- हेल्दी लंग्स साफ, लचीले और ऑक्सीजन को शरीर तक पहुंचाने में अधिक सक्षम होते हैं। वहीं स्मोकर्स लंग्स पर तंबाकू के धुएं का असर दिखने लगता है। हेल्दी और स्मोकर्स लंग्स में फर्कः-हेल्दी लंग्सः- रंग हल्का गुलाबी, लचीलापन ज्यादा, एयर फ्लो बेहतर अच्छी ऑक्सीजन सप्लाई फेफड़ों की क्षमता बेहतर सांस लेना आसान इन्फेक्शन का रिस्क कम। स्मोकर्स लंग्सः- रंग गहरा भूरा/ काला, लचीलापन कम ऑक्सीजन सप्लाई कम एयर फ्लो फेफड़ों की क्षमता कम सांस लेने में दिक्कत इन्फेक्शन का रिस्क ज्यादा। सवाल- जब कोई सिगरेट का एक कश लेता है तो उसका धुंआ लंग्स में जाकर क्या करता है? जवाब- इसे पॉइंटर्स से समझिए- जब कोई व्यक्ति सिगरेट का कश लेता है, तो धुआं कुछ ही सेकेंड में रेस्पिरेटरी ट्रैक्ट से होते हुए लंग्स की सबसे छोटी वायु थैलियों (एल्वियोली)

तक पहुंच जाता है। सिगरेट के धुएं में 7,000 से ज्यादा केमिकल होते हैं। इनमें कई जहरीले और कैंसर पैदा करने वाले तत्व शामिल होते हैं। धुएं में मौजूद टार लंग्स की सतह पर जमने लगता है। कार्बन मोनोऑक्साइड ब्लड में पहुंचकर ऑक्सीजन की जगह लेने लगती है। इससे शरीर को कम ऑक्सीजन मिलती है। धुएं के केमिकल्स फेफड़ों के अंदर जलन और सूजन पैदा करते हैं। समय के साथ फेफड़े खुद को ठीक से साफ नहीं कर पाते, जिससे उनका कामकाज प्रभावित होने लगता है। सवाल- क्या स्मोकिंग से सिर्फ फेफड़ों को नुकसान होता है? जवाब- नहीं, यह पूरे शरीर को नुकसान पहुंचाती है। सिगरेट के धुएं में मौजूद हार्मफुल केमिकल्स लंग्स के जरिए ब्लड में पहुंच जाते हैं और शरीर के अलग-अलग अंगों पर असर डालते हैं। इसके कई हेल्थ रिस्क होते हैं, जैसेकि- हार्ट डिजीज स्ट्रोक मुंह और गले का कैंसर आंखों की बीमारियां दांत और मसूड़ों से जुड़ी समस्याएं रिप्रोडक्टिव हेल्थ से जुड़ी प्रॉब्लम्स सवाल- सिगरेट पीने वाले लोगों को कौन-सी डिजीज का रिस्क ज्यादा होता है? जवाब- सिगरेट पीने वाले लोगों में फेफड़ों से जुड़ी कई गंभीर बीमारियों का रिस्क बढ़ जाता है। स्मोकिंग से बढ़ता इन बीमारियों रिस्कः- सीओपीडी क्रॉनिक ब्रोंकाइटिस एम्फाइसीमा निमोनिया रेस्पिरेटरी इन्फेक्शन अस्थमा अटैक लंग कैंसर क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज एम्फाइसीमा- यह एक क्रॉनिक लंग्स डिजीज है। इसमें एल्वियोली (वायु थैलियां) क्षतिग्रस्त हो जाती हैं और सांस लेना मुश्किल होने लगता है। स्मोकर्स लंग्स में होने वाले बदलावः- 10 साल बाद फेफड़ों की क्षमता घटना। लगातार खांसी और बलगम। 20 साल बाद सांस लेने में दिक्कत। लंग्स डैमेज दिखने लगना। 30 साल बाद फेफड़ों की क्षमता काफी कम स्थायी डैमेज का रिस्क बढ़ना।सवाल- क्या पैसिव स्मोकिंग भी खतरनाक है? उससे क्या नुकसान होता है?जवाब- हां, पैसिव स्मोकिंग यानी दूसरे व्यक्ति की सिगरेट, बीड़ी या तंबाकू के धुएं के संपर्क में आना भी सेहत के लिए खतरनाक है। धुएं में मौजूद जहरीले केमिकल्स आसपास मौजूद लोगों के शरीर में भी पहुंच जाते हैं। इससे कई तरह की हेल्थ प्रॉब्लम्स हो सकती हैं, जैसेकि- रेस्पिरेटरी इन्फेक्शन-बच्चों में अस्थमा, लंग कैंसर, हार्ट डिजीज, स्ट्रोक आंखों, नाक और गले में जलन, प्रेग्नेंसी में मां और शिशु पर बुरा असर बच्चों के फेफड़ों के विकास पर असर पड़ता है। सवाल- क्या रोज सिर्फ 1-2 सिगरेट पीना सेफ है? जवाब- नहीं, सिगरेट के हर कश के साथ शरीर हानिकारक केमिकल्स के संपर्क में आता है। इसलिए धूम्रपान की मात्रा कम करना नुकसान को पूरी तरह नहीं रोकता। हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक, धूम्रपान से बचने का सबसे अच्छा तरीका इसे पूरी तरह छोड़ना ही है। सवाल- स्मोकिंग छोड़ने पर लंग्स में क्या बदलाव होते हैं? जवाब- स्मोकिंग छोड़ने पर शरीर और फेफड़े खुद को रिपेयर करना शुरू कर देते हैं। यह प्रक्रिया धीरे-धीरे चलती है और समय के साथ सांस लेने की क्षमता में सुधार होता है। बदलावों की टाइमलाइन कुछ इस तरह है- 12 घंटे बाद-ब्लड में कार्बन मोनोऑक्साइड का स्तर सामान्य होने लगता है। इससे शरीर को ज्यादा ऑक्सीजन मिलने लगती है। 48 घंटे बाद शरीर से निकोटिन लगभग निकल जाता है। स्वाद और गंध महसूस करने की क्षमता बेहतर होने लगती है। 3 दिन बाद-सांस लेना आसान लग सकता है। फेफड़ों की कार्यक्षमता में सुधार शुरू हो जाता है। 3 महीने बाद- फेफड़े बेहतर तरीके से काम करने लगते हैं। खांसी और सांस फूलने की समस्या कम हो सकती है। 1 साल बाद-धूम्रपान जारी रखने वालों की तुलना में हार्ट डिजीज का रिस्क लगभग आधा रह जाता है। स्वास्थ्य में बड़ा सुधार दिखाई देता है। ध्यान दें- रिकवरी की रफ्तार हर व्यक्ति में अलग हो सकती है। यह धूम्रपान की अवधि, मात्रा और व्यक्ति की सेहत पर निर्भर करता है। सवाल- क्या सिगरेट छोड़ने के बाद लंग्स पूरी तरह ठीक हो सकते हैं? जवाब- यह इस बात पर निर्भर करता है कि धूम्रपान ने लंग्स को कितना नुकसान पहुंचाया है। इसे पॉइंटर्स से समझिए- सिगरेट छोड़ने के बाद लंग्स की कार्यक्षमता में सुधार हो सकता है। खांसी, बलगम और सांस लेने से जुड़ी कुछ समस्याएं समय के साथ कम हो सकती हैं। लंबे समय तक धूम्रपान से लंग्स में हुए कुछ बदलाव और डैमेज स्थायी भी हो सकते हैं। इसलिए जितनी जल्दी धूम्रपान छोड़ा जाए, फेफड़ों के स्वस्थ होने की संभावना उतनी ही ज्यादा होती है।सवाल- स्मोकिंग छोड़ने के बाद लंग्स को हेल्दी रखने के लिए क्या करें? जवाब- स्मोकिंग छोड़ने के बाद फेफड़े धीरे-धीरे रिकवर होने लगते हैं। इस प्रक्रिया को बेहतर बनाने और फेफड़ों को स्वस्थ रखने के लिए कुछ बातों का खास ध्यान रखें, जैसेकि-लंग्स को हेल्दी रखने के टिप्सः- धूम्रपान बिल्कुल न करें। पैसिव स्मोकिंग से बचें। रोज एक्सरसाइज करें। रोज तेज कदमों से चलें। प्रदूषण में मास्क पहनें। धूल से बचाव रखें। घर में वेंटिलेशन रखें। पर्याप्त पानी पिएं। पौष्टिक खाना खाएं। फल-सब्जियां ज्यादा खाएं। । संक्रमण से बचाव करें। पर्याप्त नींद लें। लगातार खांसी इग्नोर न करें। सांस फूले तो डॉक्टर से मिलें। रेगुलर हेल्थ चेकअप कराएं। फेफड़े शरीर की ऑक्सीजन सप्लाई बनाए रखते हैं।

अगर यह सप्लाई रुक जाए, तो कुछ ही मिनटों में जीवन पर संकट आ सकता है। इसलिए फेफड़ों की सुरक्षा के लिए धूम्रपान से दूरी बनाना और हेल्दी लाइफस्टाइल अपनाना जरूरी है।

एशियन गेम्स में भारत को 2 मिनट में गोल्ड-सिल्वर,दोनों मेडल शूटिंग में, स्क्वॉश, कबड्डी और टेबल टेनिस में भी पदक तय

स्पोर्ट डेस्क। भारत ने एशियन गेम्स में शुक्रवार को 2 मिनट के अंदर 2 मेडल जीते। सुरुचि और

कमलजीत की जोड़ी ने सुबह 9 बजे 10 मीटर एयर पिस्टल मिक्स्ड इवेंट में गोल्ड दिलाया। इसके तुरंत बाद 9:02 बजे 50 मीटर राइफल 3 पोजिशन इवेंट में भारतीय को सिल्वर मिला। जापान के नागोया में चल रहे गेम्स में भारत को दूसरा गोल्ड मिला है। इससे पहले महिला क्रिकेट टीम ने गेम्स का पहला गोल्ड मेडल दिलाया था। इसके अलावा, स्क्वॉश, कबड्?डी और टेबल टेनिस जैसे खेलों में भी भारतीय खिलाड़ी मेडल पक्के कर चुके हैं। फिलहाल, मेडल टैली में भारत 2 स्वर्ण सहित 19 मेडल लेकर 12वें स्थान पर है। शूटिंग में अब तक 10 मेडल, पहला गोल्ड- भारत को 2026 एशियन गेम्स में शूटिंग में पहला गोल्ड मिला है। भारतीय निशानेबाज अब तक 10 मेडल दिला चुके हैं। इनमें 5 सिल्वर और 4 ब्रॉन्ज भी शामिल हैं। भारतीय जोड़ी साउथ कोरिया से 6.6 मीटर आगे रही- 10 मीटर एयर पिस्टल मिक्स्ड टीम फाइनल में सुरुचि और कमलजीत की भारतीय जोड़ी साउथ कोरिया से 6.6 अंक आगे रही। इंडिया ने 484.6 अंक हासिल किए। जबकि, साउथ कोरिया को 478.0 अंक मिले। ईरान ने 415.8 अंक के साथ ब्रॉन्ज जीता। 50 मीटर राइफल 3 पोजिशन टीम में नंबर-2 पर रहा भारत-भारतीय टीम 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन टीम इवेंट में 1762 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रहीं। इसमें चीन (1766 अंक) को गोल्ड और साउथ कोरिया (1751 अंक) को ब्रॉन्ज मिला। आज के गोल्ड मेडलिस्ट के बारे में जानिए- कमलजीत : इंजरी के बाद एथलेटिक्स छोड़ना पड़ा, शूटिंग में करियर बनाया- कमलजीत हरियाणा के रेवाड़ी के सुलखा गांव के हैं। कमलजीत एथलेटिक्स में हिस्सा लेते थे। लेकिन, वे 2019 में चोट के कारण उन्हें एथलेटिक्स छोड़ना पड़ा। ऐसे में उन्होंने शूटिंग में करियर बनाया।स्ट्रगल के दौरान कमलजीत के मन में कई बार शूटिंग छोड़ने का विचार आया, लेकिन माता-पिता ने लगातार उनका साथ दिया। 2-3 साल की मेहनत के बाद उन्होंने खुद को एक अच्छे शूटर के रूप में स्थापित किया। सुरुचि : परिवार पहलवान बनाना चाहता था, शूटर बन गईं-सुरुचि इंदर सिंह हरियाणा के झज्जर की 20 साल की शूटर हैं। उन्होंने 13 साल की उम्र में शूटिंग की शुरुआत की। वे भिवानी की गुरु द्रोणाचार्य शूटिंग एकेडमी में कोच सुरेश सिंह से ट्रेनिंग लेती हैं। उन्हें परिवार पहलवान बनाना चाहता था। भारतीय पुरुष कबड्डी टीम फाइनल में, थाईलैंड को 66-27 से हराया- भारतीय पुरुष कबड्डी टीम ने सेमीफाइनल में थाईलैंड को 66-27 से हराकर फाइनल में जगह बना ली। अब फाइनल में भारत का सामना ईरान या चीनी ताइपे से होगा। मुकाबला कल खेला जाएगा। भारतीय टीम अपने गोल्ड मेडल का बचाव करेगी। स्क्वॉशः वीर क्वार्टर फाइनल में हारे; अभय-इरफान में सेमीफाइनल में होगा- भारत के वीर चोत्रानी पुरुष सिंगल्स के क्वार्टर फाइनल में पाकिस्तान के मुहम्मद इरफान से 1-3 से हारकर बाहर हो गए। इरफान ने मुकाबला 6-11, 11-8, 11-3, 11-3 से 31 मिनट में जीता। अब सेमीफाइनल में भारत के अभय सिंह का सामना पाकिस्तान के मुहम्मद इरफान से होगा। मुकाबला 26 सितंबर को सुबह 11:15 बजे खेला जाएगा। बॉक्सिंगः सचिन सिवाच 60ç के क्वार्टर फाइनल में- भारत के सचिन सिवाच ने बॉक्सिंग के मेंस 60ç कैटेगरी के क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली। उन्होंने जॉर्डन के पूर्व एशियन चैंपियन और वर्ल्ड चैंपियनशिप के ब्रॉन्ज मेडलिस्ट मोहम्मद अबू जाजेह को 4-1 के स्प्लिट डिसीजन से हराया। स्कॉशः अनाहत सिंह विमेंस सिंगल्स के सेमीफाइनल में- भारत की अनाहत सिंह ने साथी खिलाड़ी तान्वी खन्ना को 3-0 से हराकर विमेंस सिंगल्स के सेमीफाइनल में जगह बना ली। अनाहत ने मुकाबला सिर्फ 15 मिनट में 11-2, 11-5, 11-3 से जीता। 18 साल की अनाहत ने शुरुआत से ही मुकाबले पर पकड़ बनाए रखी। सेमीफाइनल में उनका सामना जापान की सातोमी वतनाबे से होगा। वर्ल्ड नंबर-6 वतनाबे ने 2022 हांगझू एशियन गेम्स में ब्रॉन्ज मेडल जीता था। भारतीय महिला हॉकी टीम सेमीफाइनल में, जापान को 3-1 से हराया-भारत एशियन गेम्स के महिला हॉकी टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंच गया है। उसने जापान को 3-1 से हराया। इंडिया को पूल बी में लगातार चौथी जीत मिली है। टीम ने 12 अंक के साथ टॉप-2 में फिनिश किया। शूटिंगः ऐश्वर्य 5वें और नीरज 8वें स्थान पर रहे-भारतीय निशानेबाज 50 मीटर राइफल 3 पोजिशन

इंडिविजुअल्स इवेंट में कोई मेडल नहीं जीत सके। ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर 5वें और नीरज 8वें स्थान पर रहे। 32 शॉट के बाद ऐश्वर्य 327.6 अंक के साथ बाहर हुए, जबकि नीरज ने 299.0 अंक बनाए। भारतीय महिला कबड्डी टीम फाइनल में, नेपाल को 48-24 से हराया-भारतीय महिला कबड्डी टीम ने सेमीफाइनल में नेपाल को 48-24 से हराकर फाइनल में जगह बना ली। अब फाइनल में भारत का सामना चीनी ताइपे या ईरान से होगा। फाइनल मुकाबला कल खेला जाएगा।स्क्वॉश : अभय सिंह सेमीफाइनल में पहुंचे-भारत के अभय सिंह ने स्क्वॉश के पुरुष सिंगल्स के क्वार्टर फाइनल में जापान के रयूनोसुके त्सुकुए को 3-0 से हराया। अभय ने मुकाबला 11-4, 11-3, 11-6 से सिर्फ 30 मिनट में अपने नाम किया। अब सेमीफाइनल में अभय का सामना भारत के ही वीर चोत्रानी से हो सकता है। हालांकि, इसके लिए वीर को क्वार्टर फाइनल में पाकिस्तान के मुहम्मद इरफान को हराना होगा। अगर ऐसा होता है तो स्क्वैश में भारत का सिल्वर मेडल पक्का हो जाएगा। बैडमिंटनः उन्नति हुड्डा ने जीत से शुरुआत की-भारत की उन्नति हुड्डा ने एशियन गेम्स में जीत के साथ अभियान शुरू किया। उन्होंने उत्तर कोरिया की यी मी सॉन्ग को 21-9, 21-10 से हराया। अगले राउंड में उन्नति का सामना मलेशिया की वोंग लिंग चिंग से होगा। टेबल टेनिसः यशस्विनी घोरपड़े तीसरे राउंड में-यशस्विनी घोरपड़े ने सीरिया की हेंड जाजा को 11-5, 11-5, 11-8, 8-11, 11-4 से हराकर तीसरे राउंड में जगह बना ली।अगले राउंड में उनका सामना जापान की मिवा हारिमोटो से होने की संभावना है, जो वर्ल्ड नंबर-3 हैं। पुरुष डबल्स के दूसरे मुकाबले में मानव ठक्कर-मनुष शाह की जोड़ी को जापान के तोमोकाजु हारिमोटो-हिरोतो शिनोजुका से 1-3 से हार मिली। शूटिंगः 50 मीटर राइफल 3 पोजिशन में भारत को सिल्वर, 2 शूटर्स फाइनल में भारत ने पुरुषों की 50 मीटर राइफल 3 पोजिशन में टीम सिल्वर मेडल जीता। भारत ने कुल 1762 अंक हासिल किए। चीन ने 1766 अंक के साथ गोल्ड जीता। साउथ कोरिया को ब्रॉन्ज मिला।क्वालिफिकेशन में ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर ने 589, नीरज कुमार ने 588 और रुद्राक्ष पाटिल ने 585 अंक बनाए। ऐश्वर्य और नीरज ने फाइनल के लिए क्वालिफाई किया। एक देश से अधिकतम दो निशानेबाज ही फाइनल में पहुंच सकते हैं, इसलिए रुद्राक्ष 585 अंक के बावजूद फाइनल में जगह नहीं बना सके। शूटिंगः भारतीय टीम 10 मीटर पिस्टल मिक्स्ड में पहले स्थान पर रही-सुरुचि और कमलजीत की जोड़ी 10 मीटर पिस्टल मिक्स्ड टीम इवेंट के फाइनल में पहले स्थान पर रही। भारत ने शुरुआत में ही बढ़त बना ली थी और पूरे फाइनल में इसे कायम रखा। साउथ कोरिया ने आखिरी चरण में दबाव बनाने की कोशिश की, लेकिन सुरुचि और कमलजीत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत दर्ज की। स्विमिंगः साजन प्रकाश 200 मीटर बटरफ्लाई के फाइनल में-साजन प्रकाश ने 200 मीटर बटरफ्लाई की हीट-3 में तीसरे स्थान पर रहते हुए फाइनल में जगह बना ली। उन्होंने 2:00.94 का समय लिया। इस इवेंट का फाइनल आज बाद में होगा। स्क्वॉश : जोशना- वेलावन सेमीफाइनल में, मेडल पक्का-जोशना चिनप्पा और वेलावन सेंथिलकुमार ने स्क्वॉश के मिक्स्ड डबल्स के सेमीफाइनल में जगह बनाकर भारत का मेडल पक्का कर दिया। भारतीय जोड़ी ने फिलीपींस की जोड़ी को 11-3, 11-5 से हराया। 40 साल की जोशना ने 16 साल बाद एशियन गेम्स में एक और मेडल पक्का किया है। उनका पिछला एशियन गेम्स मेडल 2010 में आया था। सेमीफाइनल में भारतीय जोड़ी का सामना कल हांगकांग की ली का यी और टैंग मिंग होंग से होगा। टेबल टेनिसः दीया-मानुष सेमीफाइनल में, भारत का मेडल पक्का-दीया चिताले और मनुष शाह ने मिक्स्ड डबल्स के सेमीफाइनल में जगह बनाकर भारत का मेडल पक्का कर दिया। अब सेमीफाइनल में दीया-मनुष का सामना चीन की वांग चुकिन-सन यिंगशा की जोड़ी से होगा। भारतीय जोड़ी ने क्वार्टर फाइनल में हांगकांग की वर्ल्ड नंबर-4 जोड़ी वोंग चुन टिंग-डू होई केम को 3-1 से हराया। दुनिया की 8वें नंबर की भारतीय जोड़ी ने मुकाबला 11-6, 13-15, 11-9, 11-5 से जीता। इसके अलावा, हरमीत देसाई-यशस्विनी घोरपड़े की एक अन्य भारतीय जोड़ी को चीन की लिन शिडोंग-कुआई मान ने 3-0 (5-11, 10-12, 9-11) से हराया। टेबल टेनिसः सेमीफाइनल के लिए भारत की 2 जोड़ियों का मुकाबला- टेबल टेनिस मिक्स्ड डबल्स क्वार्टरफाइनल में भारत की 2 जोड़ियां उतरेंगी। दिया चिताले-मनुष शाह का सामना हांगकांग की वोंग चुन टिंग-डू होई केम से होगा। हरमीत देसाई-यशस्विनी घोरपड़े चीन की लिन शिडोंग-कुआई मान से भिड़ेंगे। दोनों भारतीय जोड़ियों को सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए जीत दर्ज करनी होगी। शूटिंगः कमलजीत-सुरुचि की शानदार शुरुआत, टॉप पर-कमलजीत और सुरुचि ने मिक्स्ड टीम 10 मीटर एयर पिस्टल क्वालिफिकेशन में शानदार शुरुआत की। भारतीय जोड़ी ने शुरुआती 20 शॉट में 196 अंक हासिल किए और फिलहाल टॉप पर है। फाइनल में पहुंचने के लिए टॉप-4 में रहना जरूरी है। बैडमिंटनः ध्रुव-तनीषा की मजबूत शुरुआत-नागोया एशियन गेम्स में बैडमिंटन की इंडिविजुअल स्पर्धा शुरू हो गई।

ध्रुव कपिला-तनीषा क्रास्टो ने मिक्स्ड डबल्स के पहले गेम में मालदीव की अमीनाथ अब्दुल रज्जाक-निबाल अहमद को 21-8 से हराया।टेबल टेनिसः मनुष मेंस सिंगल्स के तीसरे राउंड में पहुंचे- भारत के मनुष शाह ने ईरान के युवा खिलाड़ी बेन्यामिन फराजी को 4-0 से हराकर तीसरे राउंड में जगह बना ली। मनुष ने मुकाबला 11-9, 11-6, 11-6, 11-5 से जीता। अगले राउंड में उनका सामना चीन के लिन शिडोंग से हो सकता है।

पॉइंट्स सेलिब्रेट करती अनाहत सिंह।

जल्दी में बनाया गया वो इंफ्रास्ट्रक्चर किस काम का, जो टिका ही नहीं?

ये सच है कि देश में इंफ्रास्ट्रक्चर का बड़े पैमाने पर विस्तार हुआ है। लेकिन परियोजनाओं के पूरा होने के चंद दिनों में ही उनमें लगातार

सामने आ रही खामियां चिंता का विषय हैं। भारी-भरकम बजट से तैयार और हाल ही में शुरू हुए लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेस-वे और गंगा एक्सप्रेस-वे में सर्फेस स्लिपेज, दरारें पड़ने, जमीन धंसने और गड्ढे होने की कई घटनाएं सामने आई हैं। इससे पहले दिल्ली-देहरादून और दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे में भी ऐसा ही हुआ था। इन घटनाओं में हुआ आर्थिक नुकसान करोड़ों में है, लेकिन इससे जनता और सरकार के बीच आई भरोसे की कमी कहीं ज्यादा बड़ी क्षति है। 3 मई 2026 की रात भागलपुर के पास विक्रमशिला सेतु का 33 मीटर लंबा स्लैब टूटकर गिर गया। 4.7 किलोमीटर लंबे पुल के दो हिस्सों में बंटने से दक्षिण और उत्तर बिहार का सड़क-लिंक टूट गया। जब तक सेना और बीआरओ ने मिलकर बैली ब्रिज नहीं बनाया, यात्रियों को 161 किलोमीटर लंबे वैकल्पिक मार्ग से जाना पड़ा और फिर नावों का सहारा लेना पड़ा। 2022 से 2024 के बीच अगुवानी से सुल्तानगंज के बीच बन रहा पुल भी तीन बार ढहा। मई 2025 में केरल में एनएच-66 के रामानाट्टुकरा-वलंचेरी स्ट्रेच पर प्रोजेक्ट पूरा होने वाला ही था कि एक रीइन्फोर्स्ड अर्थ वॉल ढह गई। अगस्त 2025 में हिमाचल प्रदेश और पंजाब के बीच चक्की ब्रिज कॉरिडोर पर कुछ महीने पहले ही बनी 100 मीटर लंबी प्रोटेक्शन वॉल टूट गई। हाल ही में मध्य रेलवे (सीआर) के भोरघाट सेक्शन में ठाकुरवाड़ी और मंकी हिल के बीच हुए भूस्खलन ने भारी क्षति पहुंचाई। 50-60 मीटर रेलवे लाइन बह गई। 30 ट्रेनें रद्द हुईं। ये अलग-अलग जगहों पर दुर्भाग्यवश हुए मामले नहीं हैं। भू-तकनीकी जांच की कमी, ग्राउंड-इम्प्रूवमेंट उपायों की अनदेखी, ड्रेनेज के पर्याप्त इंतजाम नहीं करना, ऐसे इलाकों में रीइन्फोर्स्ड-सॉइल वॉल तकनीक का इस्तेमाल, जहां वह उपयुक्त ही नहीं थी- ये ऐसी खामियां हैं, जिन्हें इन घटनाओं का कारण माना जा सकता है। एक अन्य बड़ा कारण डिजाइनरों, कंपनियों, स्वतंत्र इंजीनियरों और एनएचएआई के फील्ड कर्मचारियों के बीच सुपरवाइजरी ढांचे का इतना बिखरा हुआ होना है कि कुछ गलत होता है तो किसी की जिम्मेदारी तय नहीं की जा सकती। जिस दीवार, सड़क या पुल के हिस्से को ढहना ही नहीं चाहिए था, उसे दोबारा बनाने में खर्च हुआ हर रुपया वो है, जो नया इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने या मौजूदा ढांचों की मरम्मत में काम आ सकता था। इसमें बहुत-सी अप्रत्यक्ष लागत भी जुड़ जाती है। मसलन, डायवर्जन के फेर में माल ढुलाई में देरी होती है, घंटों के अतिरिक्त चक्कर में उत्पादकता घटती है और जिन कामों के लिए पुल बने थे, वे अब फिशिंग बोट से करने पड़ते हैं।चूंकि सरकारी टेंडर सबसे कम बोली लगाने वाले ठेकेदार को दिए जाते हैं, इसलिए गुणवत्ता प्रभावित होती है। जो ठेकेदार बहुत कम बोली लगाकर प्रोजेक्ट हासिल करते हैं, उनके पास मुनाफा निकालने का एक ही रास्ता बचता है- मटैरियल, जमीन की जांच और निर्माण कार्य में कटौती। डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट और ग्राउंड असेसमेंट हर प्रोजेक्ट की रीढ़ होते हैं। लेकिन अकसर इन्हें पिछली परियोजनाओं की रिपोर्ट से ही बना लिया जाता है। बस नई जगह की भौगोलिक स्थिति, वाटर टेबल या बाढ़ की हिस्ट्री के हिसाब से छोटे-मोटे बदलाव किए जाते हैं। स्वतंत्र इंजीनियरों का काम कंक्रीट डालने से पहले इन कमियों को पकड़ने का होता है। लेकिन अकसर उनके पास ऐसे अनुभव या अधिकार का अभाव होता है, जिसमें वे परियोजना को रोक सकें। रीइन्फोर्स्ड वॉल और पुलों की डिजाइन की जांच होनी चाहिए। यह महज सामान्य डीपीआर के अनुमानों पर नहीं, बल्कि पुष्ट मृदा परीक्षण और कम से कम एक दशक के मानसून और बाढ़ के आंकड़ों पर आधारित होनी चाहिए। अन्य तकनीकी सुधारों के अलावा सबसे महत्वपूर्ण यह है कि हमें इंफ्रास्ट्रक्चर विकास की गति पर गर्व करना और उसका महिमामंडन बंद करना चाहिए। हमें क्वांटिटी से अधिक क्वालिटी, दिखावे से अधिक टिकाऊपन और जल्दबाजी से अधिक प्रभावशीलता को महत्व देना चाहिए। (ये लेखक के अपने विचार हैं,राघव चंद्रा)

96 साल के बफे बोले-कमाने से ज्यादा मजा बांटने में,पिता प्लंबर होते तो निवेशक न बनता, मेरी सफलता में टैलेंट से ज्यादा किस्मत

न्यूयॉर्क। दुनिया के दिग्गज निवेशक वॉरेन बफे ने अपनी सफलता का बड़ा श्रेय किस्मत को दिया है। करीब 147 अरब डॉलर (14.15 लाख करोड़ रुपए) नेटवर्थ वाले बफेट ने एक

इंटरव्यू में कहा कि उनकी कामयाबी में टैलेंट या मेहनत जितना ही रोल 'लक' का रहा। अगले महीने 96 साल के होने वाले वॉरेन बफेट ने कहा कि लंबी उम्र ने उन्हें दशकों तक संपत्ति बनाने का मौका दिया। यह भी किस्मत का ही खेल है। बफेट ने अपने शुरुआती जीवन, अवसरों, जन्म की परिस्थितियों व परोपकार पर चर्चा की। पढ़िए इस इंटरव्यू के खास अंश-ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स के मुताबिक बफे दुनिया के 10वें सबसे अमीर हैं, 80फीसदी वक्त किताबें- रिपोर्ट्स पढ़ने में बिताते हैं। मैं अक्सर कहता हूं कि इस धरती पर मौजूद 8 अरब लोगों में मैं सबसे खुशनसीब 10 लोगों में शामिल हू?। लोग मेरी सफलता को मेहनत व काबिलियत से जोड़ते हैं, लेकिन मैं इसे जन्मजात मौका मानता हूं। अगर मेरे पिता प्लम्बर होते, तो शायद मैं यहां नहीं होता। मेरे पिता हॉवर्ड बफेट स्टॉकब्रोकर थे और उन्हीं की वजह से मुझे कम उम्र में निवेश से लगाव हो गया। 11 साल की उम्र में मैंने 'सिटीज सर्विस' के तीन शेयर खरीदे थे। यह असाधारण बुद्धिमत्ता नहीं थी, बल्कि सही माहौल और अवसर मिलने का सुखद संयोग था। अमेरिका में जन्म, श्वेत पुरुष होना और वित्तीय समझ वाले परिवार से होना विशेषाधिकार था। साथ ही इस 'जन्मजात मौके' ने मुझे वह आत्मविश्वास दिया जिससे मैं 32 साल की उम्र में पहला मिलियन डॉलर यानी 10 लाख डॉलर कमा सका और आगे चलकर बर्कशायर हैथवे को शीर्ष तक पहुंचा पाया। मैं मानता हूं कि कोई कहां पैदा हुआ, परिवार का बैकग्राउंड क्या है, मौके कितने मिले- ये बातें कई बार टैलेंट से ज्यादा असर डालती हैं। मैंने जितनी दौलत कमाई, उससे भी ज्यादा समय तक उसे बढ़ाने का मौका पाया। अब उम्र के असर से याददाश्त कमजोर पड़ रही है, लेकिन निवेश का आनंद आज भी बरकरार है। पिछले साल बर्कशायर के सीईओ का पद ग्रेग एबेल को सौंपने के बावजूद दिल आज भी काम में ही धड़कता है। पर असली मजा सिर्फ दौलत कमाने में नहीं, उसे बांटने में है। 'द गिविंग प्लेज' के तहत 99फीसदी संपत्ति दान करने के वादे के साथ मैंने गेट्स फाउंडेशन को 4.52 करोड़ रुपए दिए। पर अब मेरी राहें अलग हैं, क्योंकि इंसानों की पहचान में कोई 100फीसदी सही नहीं होता... गलतियां सभी से होती हैं। मुझसे भी हुईं। अब मेरी सोच स्पष्ट है। संपत्ति का बड़ा हिस्सा दिवंगत पत्नी के नाम पर बने सुसान थॉम्पसन बफेट फाउंडेशन और अपने बच्चों द्वारा संचालित फाउंडेशन्स को दे रहा हूं। उम्र लगातार बढ़ रही है और बच्चे भी उम्र के उस पड़ाव पर हैं, जहां फैसले टालना ठीक नहीं। इसलिए मैंने परोपकारी योजना की रफ्तार बढ़ा दी है। मेरी इच्छा है कि 31 दिसंबर 2034 तक मेरी पूरी संपत्ति समाज हित में सही संस्थाओं तक पहुंच जाए। पीछे मुड़कर देखता हूं तो लगता है कि मेरी सफलता में सही समय, सही मौके और किस्मत का बड़ा योगदान रहा है।- वॉरेन

एआई जॉब्स में बढ़त चाहिए तो एंथ्रोपोलॉजी और फिलॉसफी पढ़ें

हममें से कितने लोग जानते हैं कि अकेली कंप्यूटर साइंस की डिग्री अब जॉब मार्केट का 'गोल्डन टिकट' नहीं रही। दुनियाभर के कॉलेजों ने

बीते दो दशकों में कंपनियों की जरूरत से कहीं ज्यादा कोडर तैयार कर दिए हैं। एआई ने इस ओवर-सप्लाई को और बदतर कर दिया। फिर भी लगता है कि ज्यादा से ज्यादा लोग यही राह चुन रहे हैं। कम से कम आंकड़े तो यही बताते हैं। एआई, मशीन लर्निंग, डेटा साइंस और सेमीकंडक्टर जैसे विषयों में बढ़ती दिलचस्पी ने 2021 के मुकाबले 2026 में बीटेक में हुए एडमिशन्स की संख्या को बढ़ा दिया है। इस अखबार की एक हालिया रिपोर्ट में भोपाल का जिक्र था, जहां 2026 में एडमिशन्स की संख्या 49,151 तक पहुंच गई, जबकि 2021 में यह 35,169 थी। ऐसी दुनिया में आज ह्यूमन स्किल बहुत अहम हो गया है, जिसमें एआई ज्यादा जटिल काम कर रहा है और क्षेत्रों को ऐसे तरीकों से बदल रहा है, जिनका हम पूरी तरह अनुमान नहीं लगा सकते। विशेषज्ञों का कहना है कि शायद अब समय आ गया है कि तकनीक के साथ एंथ्रोपोलॉजी, फिलॉसफी और मैथमैटिक्स जैसे कुछ क्लासिक विषयों की पढ़ाई फिर से की जाए या या टेक्नोलॉजी में बैचलर डिग्री के बाद मेजर (मुख्य विषय) के तौर पर इनकी पढ़ाई की जाए। एंथ्रोपोलॉजीः यह स्टूडेंट्स को मानव-केंद्रित नजरिया देती है, जो एडवांस डिजिटल लैंडस्केप्स को बनाने, उन्हें इवेल्युएट करने और उनमें आगे बढ़ने के लिए जरूरी है। इंसानी व्यवहार, रीति-रिवाजों और विविध वैश्विक नजरियों को समझकर स्टूडेंट्स तकनीकी क्षमता और इंसानी जरूरतों के बीच के महत्वपूर्ण अंतर को पाट सकते हैं। एंथ्रोपोलॉजी स्टूडेंट्स को सिर्फ बेसिक यूजर एक्सपीरियंस (यूएक्स) मेट्रिक्स से आगे जाकर यह समझने में मदद करती है कि सांस्कृतिक मान्यताएं कैसे टेक्नोलॉजी एडॉप्शन को आकार देती हैं। टेक कंपनियां और रिसर्च लैब ऐसे लोगों को बड़े पैमाने पर भर्ती करती हैं, जो क्वालिटेटिव ह्यूमन डेटा को क्वांटिटेटिव मेट्रिक्स के साथ जोड़ सकें। एंथ्रोपोलॉजी में प्रशिक्षित स्टूडेंट्स कॉरपोरेट क्षेत्र में, खासतौर पर इंटरडिसिप्लिनरी जॉब्स के लिए सबसे उपयुक्त होते हैं। मसलन, यूएक्स रिसर्चर्स एंड प्रोडक्ट स्ट्रैटेजिस्ट, एआई एथिक्स ऑफिसर्स एंड पॉलिसी एडवाइजर्स, डिजाइन एंथ्रोपोलॉजिस्ट एंड डेटा स्ट्रैटेजिस्ट। फिलॉसफीः कई एआई प्रोजेक्ट खराब कोड की वजह से नहीं, बल्कि इस बात की स्पष्ट सोच न होने के कारण विफल होते हैं कि उस टूल का असल मकसद क्या है। फिलॉसफी, डेवलपर्स को यह सवाल पूछने में मदद करती है कि किसी सिस्टम को बनाने की जरूरत क्यों है, इससे पहले कि वे यह सोचने में जुट जाएं कि उसे ऑप्टिमाइज कैसे करें। यह कॉग्निटिव ट्रैप से बचने में मदद करती है, खासकर ऐसी दुनिया में जहां एआई तत्काल जवाब देने को बढ़ावा देता है। फिलॉसफी सिखाती है कि अनिश्चितता की स्थिति को कैसे संभाला जाए, कॉग्निटिव शॉर्टकट्स को कैसे स्क्रूटनाइज किया जाए और जटिल समस्याओं को हल करते वक्त इंसानी पूर्वाग्रहों से कैसे बचा जाए। तकनीकी जानकारी के साथ बायोएथिक्स और फिलॉसफी ऑफ माइंड को मिलाकर पढ़ने से स्टूडेंट्स एआई एथिक्स और गवर्नेंस जैसे तेजी से बढ़ते क्षेत्रों को लीड करने के लिए तैयार हो सकते हैं। फिलॉसफी को टेक बैकग्राउंड के साथ मिलाओ तो यह जॉब मार्केट की स्थिति को बेहतर बनाती है। मैथमैटिक्सः एआई मॉडलिंग में काफी मैथ्स शामिल होती है। एआई के जरिए नकल करने वालों की तुलना में वे हाथ से समस्या हल करने का तरीका जानते हैं। आजकल इंटरव्यू में इन टेक स्टूडेंट्स को व्हाइटबोर्ड दिया जाता है और इंटरव्यूअर कंपनी की कोई समस्या बता कर उनसे बोर्ड पर इसका समाधान करने के लिए कहता है। वैसे भी एआई ने वर्चुअल इंटरव्यू को कम भरोसेमंद बना दिया है। जो छात्र हाथ से समस्याएं हल करने की प्रैक्टिस करते हैं, वे इंटरव्यू में अलग नजर आते हैं। ऑनर्स के साथ ग्रेजुएशन करने या कोई अनोखा प्रोजेक्ट पब्लिश करने के लिए आप सिर्फ कोड को कॉपी-पेस्ट नहीं कर सकते। आपको किसी खास डेटा सेट के हिसाब से कस्टम लॉस फंक्शन या ऑप्टिमाइजेशन कंस्ट्रेंट डिजायन करने होते हैं, जिसके लिए अलजेब्रिक ऑप्टिमाइजेशन की गहरी समझ जरूरी है।कैंपस प्लेसमेंट के दौरान टॉप-टियर टेक कंपनियां शायद ही कभी आपसे सिंटैक्स के बारे में पूछती हैं, क्योंकि पाइ-टॉर्च या टेंसर-फ्लो जैसे फ्रेमवर्क लगातार बदलते रहते हैं। इसके बजाय इंटरव्यूअर्स आपकी मूल प्रॉब्लम-सॉल्विंग क्षमताओं को परखते हैं। फंडा यह है कि कॉलेज स्टूडेंट्स और टेक क्षेत्र के एम्प्लॉयी यह समझ रहे हैं कि तेजी से बदलते वर्कप्लेस पर अलग तरह के स्किल फायदेमंद हैं। उपरोक्त तीन क्षेत्रों के अलावा भी वे ऐसे नए क्षेत्रों को खोज रहे हैं, जिनमें पढ़ाई कर सकें और अपने वर्कप्लेस पर आगे बढ़ सकें। एन. रघुरामन

कोई हमें अन्नदाता कहे या जनता जनार्दन, पर चुनावों के हम मालिक नहीं हैं

उत्तर प्रदेश और पंजाब दो अहम राज्य हैं, जहां चुनाव होने वाले हैं। तमाम राजनीतिक पार्टियां इन चुनावों के लिए ही अपनी कमर कस रही हैं। नए-नए प्रभार गढ़े जा रहे हैं और नए-नए प्रभारी बनाए जा रहे हैं। हर तरह से, हर तरफ जोर-शोर से तैयारी की जा रही है। अगर कोई बेफिक्र बैठा है, अगर कोई किसी तरह की तैयारी नहीं कर रहा है तो वो हैं हम। आम लोग! आम वोटर्स! क्योंकि हमें कोई कुछ भी कहे- अन्नदाता, जनता जनार्दन और भी बहुत कुछ- पर हकीकत यह है कि हर दो, ढाई या पांच साल में होने वाले चुनावों के हम मालिक नहीं हैं। हमने अपने मन को आजादी दी है तो सिर्फ इतनी, कि अपनी मर्जी से चुनाव कर लें अपने पिंजरे का। रहना हमें कैद में ही है। हर तरह के कैदखाने हैं देश में... और हर तरह की कैदें। बच्चे अपनी वजन बढ़ाऊ किताबों की बस्ताई शिक्षा में कैद हैं। बेटियां अपनी सुरक्षा के खतरे के कारण खुद में ही कैद रहने को मजबूर हैं। और महिलाओं, बुजुर्गों की कैदों का तो पारावार नहीं है। तथाकथित सभ्य समाज इन कैदों को घर, ऑफिस, मुहल्ला, खेत, खलिहान, सड़क, बाजार और जाने क्या-क्या कहता है। जब हर कोई कैद है, अलग-अलग कैदखानों में, फिर कैसी आजादी, कैसा लोकतंत्र, कैसा चुनाव? अगर ये पार्टियां, ये नेता, सच में चुनाव जीतना चाहते हैं तो हमें इन कैदखानों से मुक्ति दिला दें। फिर करें राज। चतुर्दिक। एकतरफा। फिर किसी भी नेता को वोट के लिए गिड़गिड़ाना नहीं पड़ेगा। लोग खुद ही चुन लेंगे अपने मुक्तिदाता को। लेकिन सच ये है कि अंग्रेजों के जाने के बाद ये जो मौजूदा कैदखाने हैं, इनमें से ज्यादातर का निर्माण राजनीति ने ही किया है। और चौंकने की कोई वजह हमारे पास नहीं है, क्योंकि हर कैदखाने के उद्घाटन के वक्त बड़े मजे से तालियां भी हमने ही बजाई हैं। सभ्य समाज कहा जाने वाला बड़ा कैदखाना जरूर हमने खुद बनाया है। दकियानूसी सोच की गलत परंपराओं की कई शाखाएं भी खोली हैं, जिनमें हमारा बचपन, जवानी और वृद्धावस्था कैद है। चुनाव के वक्त भी ये कैदें काम करती हैं।

टैरिफ मसले पर चीन के बजाय हमारे पास विकल्प सीमित हैं

डोनाल्ड ट्रम्प ने रूस और ईरान पर प्रतिबंध लगाने संबंधी ग्राहम बिल पर हस्ताक्षर कर उसे कानूनी रूप दे दिया है। इसके तहत रूस से तेल आयात करने वाले या प्रतिबंधों से बचने में उसकी मदद करने वाले चीन और भारत जैसे देशों पर 100फीसदी तक टैरिफ लगाया जा सकता है। यह कानून 30 दिन में प्रभावी हो जाएगा और संबंधित देशों को इसका पालन करने के लिए 180 दिन का समय दिया गया है। कानून में राष्ट्रपति को यह तय करने के अधिकार दिए गए हैं कि किन देशों पर टैरिफ लगाया जाए, दर कितनी हो और यहां तक कि वे टैरिफ से छूट भी दे सकते हैं। लेकिन ट्रम्प पर पड़ रहे राजनीतिक दबावों को देखते हुए सबसे खराब स्थिति के लिए तैयारी करना ही बेहतर होगा। अमेरिका में भारतीय निर्यात पर फिर-से भारी टैरिफ लगाए जाने का असर हमारी अर्थव्यवस्था के साथ-साथ दोनों देशों के राजनीतिक संबंधों पर भी पड़ेगा। भारत की आधिकारिक प्रतिक्रिया में कहा गया कि भारत अपने नागरिकों की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है और बदलती बाजार स्थितियों के अनुसार वह अलग-अलग स्रोतों के जरिए ऐसा करता रहेगा। इस मुद्दे पर अमेरिकी अधिकारियों के साथ हुई चर्चा में भारत की ओर से न सिर्फ द्विपक्षीय संबंधों पर, बल्कि अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजार पर भी इसके संभावित प्रभावों को रख दिया गया है। विविध स्रोतों से तेल खरीदने की बात के बावजूद हकीकत यह है कि पिछले एक साल में भारत अपनी तेल जरूरतों की 30फीसदी से 52फीसदी तक खरीद रूस से करता रहा है। अगस्त में भारत ने 85 लाख टन तेल खरीदा, जिसकी कीमत 4.7 अरब डॉलर थी। वहीं जुलाई में भारत ने रिकॉर्ड 110.4 लाख टन तेल खरीदा, जिसकी कीमत

7.3 अरब डॉलर थी। इसलिए इसे कैसे भी देखा जाए, रूसी तेल से दूरी बनाने का फैसला भारत के लिए भारी पड़ेगा। अमेरिका के साथ हमारे इतिहास को देखते हुए जनता के लिए बेहतर होगा कि वह सरकार के इस बेबाक रुख को थोड़ी सावधानी से देखे। क्योंकि, बीते एक दशक में हमारी सरकार तेल के मामले में कई बार अमेरिकी दबाव के आगे नरम पड़ चुकी है। 2016-17 में भारत की कुल तेल खरीद का 6.7फीसदी तेल वेनेजुएला से आता था। लेकिन 2019 में ट्रम्प ने वेनेजुएला पर प्रतिबंध लगा दिए और 2021-22 तक यह आयात समाप्त हो गया। ईरान के मामले में अनुभव इससे भी बड़ा था। नवंबर 2018 में अमेरिका द्वारा 'मैक्सिमम प्रेशर' पॉलिसी के तहत प्रतिबंध लगाए जाने से पहले ईरान भारत की तेल जरूरतों का करीब 10फीसदी हिस्सा आपूर्ति करता था। लेकिन प्रतिबंधों के बाद भारत ने ईरान से तेल खरीद में कटौती की और 2020-21 तक यह आयात शून्य हो गया। मार्च से जून 2026 के बीच अमेरिका ने सीमित अवधि के लिए ईरानी तेल का आयात मंजूर किया तो भारत के तेल आयात में ईरान की हिस्सेदारी बढ़कर 1.1फीसदी हो गई। यूक्रेन युद्ध से पहले भारत रूसी तेल का बड़ा आयातक नहीं था। यूक्रेन पर रूस के हमले और रूस पर पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों के बाद तेल कीमतों में उछाल आया और भारत को ऊर्जा जरूरतें पूरी करने के लिए रूस का रुख करना पड़ा। रूस ने भी तेल कीमतों में भारी छूट दी और अंतरराष्ट्रीय कीमतों को काबू में रखने के लिए पश्चिमी देशों ने भी चुपचाप भारत द्वारा की जा रही रूसी तेल की खरीद को प्रोत्साहित किया। लेकिन अगस्त 2025 में ट्रम्प ने रूसी तेल आयात करने के कारण भारत पर टैरिफ 25फीसदी से बढ़ाकर 50फीसदी कर दिया तो भारत ने धीरे-धीरे रूस से तेल आयात कम करना शुरू किया। परंतु इस साल फरवरी में अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने ट्रम्प टैरिफ को खारिज कर दिया और भारत की रूसी तेल की खरीद फिर बढ़ने लगी। इस स्थिति से निपटने के मामले में चीन की तुलना में भारत के पास विकल्प सीमित हैं। बीजिंग के पास रेयर अर्थ और मैग्नेट के निर्यात पर प्रतिबंध लगाने जैसा मजबूत हथियार है, जिसका असर अमेरिका में ईवी, रोबोटिक्स और रक्षा क्षेत्रों पर पड़ सकता है। इसके अलावा, चीन अमेरिका को दवाएं बनाने के लिए जरूरी 70फीसदी से अधिक एक्टिव फार्मास्यूटिकल इंग्रेडिएंट्स की सप्लाई भी करता है। ऐसे ही कई अन्य उत्पादों की सप्लाई भी की जाती है। इतिहास को देखते हुए जनता के लिए बेहतर होगा कि वह सरकार के इस बेबाक रुख को थोड़ी सावधानी से देखे। क्योंकि, बीते एक दशक में हमारी सरकार तेल के मामले में कई बार अमेरिकी दबाव के आगे नरम पड़ चुकी है। (ये लेखक के अपने विचार हैं,मनोज जोशी)

जहां नैतिक कहानियां होंगी, वहां 'इंटेग्रिटी फी?' की जरूरत नहीं

कई दशक पहले, मैं और मेरा कजिन किसी के पेड़ से ढेर सारे जामुन लेकर घर पहुंचे। हमारे नाना (जो कि तहसीलदार कार्यालय में दूसरे सबसे ताकतवर व्यक्ति थे) दरवाजे पर बैठे थे और उन्होंने पूछा, तुम्हारे हाथों में क्या है? फिर उन्होंने हमसे वो जामुन अपने पास रखवा दिए और अंदर जाकर पहले खाना खाने को कहा। अगले 15 मिनट में हम नहाए क्योंकि पेड़ पर चढ़ने के कारण हमारे कपड़े गंदे हो गए थे, खाना खाया और लौट आए। हम उन अंकल को देखकर चौंक गए, जिनके घर से हम जामुन लाए थे। वे हमारे नाना के साथ बैठकर बातें कर रहे थे। हमें लगा वो हमारे बारे में शिकायत कर रहे हैं, इसलिए हम दोनों में से किसी ने बाहर जाने की हिम्मत नहीं की। यह भांपकर कि हम छिपे हुए हैं,

नाना ने हमें बुलाया और हम सिर झुकाए बाहर चले आए। वहां से गुजर रहे एक डाकिए को कहकर नाना ने उन अंकल को बुला लिया था। नाना जानते थे कि जामुन का पेड़ उनके घर में है। हमने नमस्ते किया। अंकल ने भी हमारा अभिवादन स्वीकार किया। वे उठे, हमारे सिर को सहलाया और बिना कुछ कहे बाहर चले गए। हमने राहत की सांस ली। तब नाना ने हमें एक मेहनती, लेकिन गरीब लकड़हारे की कहानी सुनाई। लकड़हारा एक नदी किनारे पेड़ काट रहा था। उसकी कुल्हाड़ी उसके हाथ से छूटकर पानी में गिर गई। वह बहुत परेशान था, क्योंकि वही उसकी आजीविका का एकमात्र साधन था। उसकी निराशा भरी पुकार सुनकर एक देवी प्रकट हुईं और पूछा कि उसे क्या चाहिए। उसने कोई दौलत मांगने के बजाय बताया कि उसने अपनी कुल्हाड़ी खो दी है। उसकी ईमानदारी देखकर देवी ने मदद की पेशकश की। सबसे पहले उसे एक चमचमाती सोने की कुल्हाड़ी मिली। देवी ने पूछा, क्या यह तुम्हारी है? लकड़हारे ने कुल्हाड़ी की सुंदरता और कीमत के बावजूद जवाब दिया, नहीं। दूसरी बार उसे चांदी की कुल्हाड़ी मिली। देवी ने वही सवाल पूछा। लकड़हारे ने अपनी ईमानदारी पर अडिग रहते हुए फिर से मना कर दिया। देवी बेहद प्रभावित हुईं और आखिरकार लकड़हारे को उसकी असली लोहे की कुल्हाड़ी वापस लौटा दी, जिसे लकड़हारे ने कृतज्ञतापूर्वक स्वीकार कर लिया। लेकिन देवी ने उसे सोने और चांदी की दोनों कुल्हाड़ियां देकर भी पुरस्कृत किया। लकड़हारा न केवल धन-संपत्ति, बल्कि ईमानदारी के गुण से भी समृद्ध होकर घर लौटा। नाना ने उन जामुनों के बारे में हमसे कभी बात नहीं की। लेकिन वो कहानी आज भी हमारे जेहन में ताजा है।आज आप किसी भी बच्चे के पास जाकर कहें, 'मैं तुम्हें एक कहानी सुनाता हूं' और शुरू करें- 'एक था राजा और एक थी रानी' तो वो तुरंत कहेगा, 'दोनों मर गए, खतम कहानी', और भाग जाएगा। लेकिन हमारे जमाने में रोज ही कोई न कोई कहानी सुनाई जाती थी और उसकी शुरुआत हमेशा उसी पहले वाक्य से होती थी। लेकिन दूसरा वाक्य हमेशा ही 'पीछे की बदल गई पूरी कहानी' हुआ करता था।

यूएन में 75 देशों ने नेतन्याहू का बायकॉट किया,हूटिंग हुई तो 3 मिनट चुप खड़े रहे, फिर बोले- कायर बाहर चले जाएं

न्यूयॉर्क।इससे पूरा इलाका तबाह हो सकता है। उन्होंने ईरान के नेताओं को 'तेहरान का तानाशाह' बताया और कहा कि वे अपने ही लोगों से डरते हैं। उन्होंने इलॉन मस्क की कंपनी स्टारलिंक का एक डिवाइस दिखाया और कहा कि इससे ईरान के लोग खुलकर अपनी बात कह सकते हैं। नेतन्याहू ने आगे कहा कि वे यह डिवाइस ईरानी डेलीगेशन के लिए छोड़कर जाएंगे। अगर वे अपनी सरकार के खिलाफ हो जाएं या उसका साथ छोड़ दें, तो स्टारलिंक के जरिए इंटरनेट चला सकेंगे और सोशल मीडिया पर अपनी बात दुनिया को बता सकेंगे। ममदानी-न्यूयॉर्क के मेयर को हमास समर्थक कहा-इसके बाद उन्होंने न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी पर निशाना साधा। नेतन्याहू ने कहा कि दुनिया की सबसे बड़ी यहूदी आबादी वाले इस शहर में यहूदी अब खुद को सुरक्षित महसूस नहीं करते।उन्होंने ममदानी को हमास का समर्थक बताया। उन्होंने ममदानी की पत्नी की भी आलोचना की और कहा कि वे सोशल मीडिया पर इजराइल विरोधी पोस्ट को पसंद करती हैं। उन्होंने कहा-'वह दौर खत्म हो गया जब यहूदी बिना किसी बचाव के पीड़ित बनकर मारे जाते थे। आज हमारे पास एक देश है। आज हमारे पास एक सेना

है।' ट्रम्प- इजराइल की सभ्यता बचाने में मदद की-नेतन्याहू ने ट्रम्प की तारीफ की और इजराइल का साथ देने के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि ट्रम्प ने सभ्यता को बचाने के लिए काम किया। नेतन्याहू ने कहा कि अमेरिका की मदद से हुए समझौते के बाद गाजा में बचे बंधकों को वापस लाया गया। नेतन्याहू ने अपना भाषण 'हमारे पास कोई और विकल्प नहीं है' कहते हुए खत्म किया। इस पर गैलरी में करीब 30 सेकेंड तक तालियां बजती रहीं। ईरान की सीट पर सुलेमानी की तस्वीर-इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के संयुक्त राष्ट्र महासभा में भाषण के दौरान ईरान का प्रतिनिधिमंडल मौजूद नहीं था। हालांकि, ईरान की सीट पर ईरान की कुद्स फोर्स के पूर्व कमांडर कासिम सुलेमानी की तस्वीर रखी थी। नेतन्याहू के भाषण के दौरान यह तस्वीर ईरानी प्रतिनिधिमंडल की मेज के सामने साफ नजर आ रही थी, जहां आमतौर पर ईरानी राजनयिक बैठते हैं। 3 जनवरी 2020 को बगदाद एयरपोर्ट के पास अमेरिकी ड्रोन हमले में सुलेमानी मारे गए थे। यह हमला तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के आदेश पर किया गया था।कासिम सुलेमानी ईरान के सबसे ताकतवर सैन्य कमांडरों में से एक थे। उन्हें तब खामेनेई के बाद ईरान का दूसरा सबसे ताकतवर शख्स माना जाता था।न्यूयॉर्क में नेतन्याहू के भाषण के विरोध में प्रदर्शन-सैकड़ों प्रदर्शनकारियों ने यूएन में प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के भाषण के विरोध में 'जायनिज्म खत्म होगा' के नारे लगाए।

प्रदर्शनकारियों के पास नेतन्याहू का एक बड़ा कार्डबोर्ड कटआउट था। इसमें उन्हें लाल रंग से ढका दिखाया गया था और उनके हाथों से खून टपकता दिखाया गया था। कुछ लोगों के हाथों में 'जायनिज्म आतंकवाद है' लिखे पोस्टर भी थे।

संयुक्त राष्ट्र के पास इजराइल के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान सड़क रोकने पर पुलिस ने दर्जनों प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया। प्रदर्शनकारियों ने फर्स्ट एवेन्यू पर सड़क रोक दी थी। इसके बाद पुलिस ने उन्हें हथकड़ी लगाकर पुलिस बस तक पहुंचाया।

गाजा में 2 बोरी आटे के बदले बेटी की शादी,यूएन रिपोर्ट- रेप पीड़िताओं की आरोपियों से शादी, बाल विवाह 123फीसदी बढ़े

न्यूयोर्क। संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष (यूएनएफपीए) ने गाजा में महिलाओं और लड़कियों के खिलाफ बढ़ती हिंसा को लेकर एक रिपोर्ट जारी

की है। इसमें बताया गया है कि एक पिता ने अपनी 14 साल की बेटी की शादी 2 बोरी आटे के बदले कर दी। गाजा में रेप पीड़िताओं की शादी आरोपियों से कराए जाने के मामले भी सामने आए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, परिवार और समाज में बदनामी से बचने और 'इज्जत' बनाए रखने के नाम पर कुछ पीड़िताओं की शादी आरोपियों या किसी दूसरे व्यक्ति से करा दी गई। गाजा में बाल और जबरन शादियों के दर्ज मामलों में 123फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। यूएनएफपीए ने यह जानकारी गाजा में काम कर रही 10 संस्थाओं से जुटाई है। इसके अलावा, गाजा सिटी और खान यूनिस के विस्थापन शिविरों में रहने वाली 230 महिलाओं से बातचीत की गई। स्कूल में रेप के बाद उसी जगह शादी और जश्न-गाजा सिटी और खान यूनिस के विस्थापन शिविरों में रहने वाली महिलाओं ने रेप के कई मामलों के बारे में बताया। उनके मुताबिक, ऐसी घटनाएं टेंट, शरणस्थल के तौर पर इस्तेमाल हो रहे स्कूलों, गलियों और समुद्र किनारे तक में हुईं। जहां आरोपी पीड़िता को जानता था, वहां घटना को छिपाने की कोशिश की गई। कुछ मामलों में पीड़िता की शादी आरोपी या किसी दूसरे व्यक्ति से करा दी गई। एक महिला ने बताया-'जब स्कूल में रेप का मामला सामने आता है, तो अगले दिन उसी स्कूल में शादी और जश्न होते हैं। युद्ध से पहले इस तरह की घटनाओं के बारे में सोचना भी मुश्किल था।' अपाहिज लड़कियों पर ज्यादा खतराः-रिपोर्ट में अपाहिज महिलाओं और लड़कियों को भी ज्यादा खतरे में बताया गया है। कुछ आरोपी उनकी इस स्थिति का फायदा उठाते हैं- गाजा सिटी की एक महिला ने बताया कि एक अपाहिज लड़की 7 घंटे तक गायब रही। वापस आने के बाद वह रो रही थी, लेकिन परिवार को लगा कि वह डर गई है। करीब दो महीने बाद पता चला कि वह गर्भवती थी और उसके साथ रेप हुआ था। आरोपी का पता नहीं चल सका। एक दूसरे मामले में 20 साल की ऐसी महिला का जिक्र है, जिसे बातें समझने में परेशानी होती थी। महिला के मुताबिक, कई युवकों ने उसका उत्पीड़न किया और उनमें से एक ने उसके साथ रेप किया। माता-पिता की मौत के बाद 14-15 साल की लड़कियों की शादीः-युद्ध में माता-पिता खो चुकी लड़कियां भी कम उम्र में शादी के खतरे में हैं। गाजा सिटी की एक महिला ने बताया कि उसके परिवार की 14 और 15 साल की दो लड़कियों के माता-पिता युद्ध में मारे गए थे। इसके बाद उनके चाचाओं ने दोनों की शादी कर दी। महिला ने बताया-'चाचा उनकी जिम्मेदारी और खर्च नहीं उठाना चाहते थे। लड़कियों की शादी उस उम्र में कर दी गई, जब वे यह भी नहीं समझती थीं कि शादी या जिंदगी क्या होती है।' परिवार के अंदर भी रेप के मामलेः-रिपोर्ट में परिवार के अंदर रेप का एक मामला भी बताया गया है। एक महिला के मुताबिक, उसके पति की मौत के बाद उसके देवर ने सोते समय उसके साथ रेप किया। बाद में वह गर्भवती हो गई। परिवार को इसकी जानकारी मिली तो आरोपी के परिवार ने दोनों की शादी कराने की कोशिश की। मामला जज के पास पहुंचा, लेकिन शादी नहीं हो सकी। उस समय महिला पति की मौत के बाद धार्मिक नियमों के तहत तय इंतजार की अवधि में थी। जज ने मामले को व्यभिचार माना। युद्ध के साथ घरेलू हिंसा भी बढ़ीः-गाजा में महिलाओं के लिए खतरा सिर्फ बाहर नहीं है। रिपोर्ट में महिलाओं ने बताया कि युद्ध के बाद परिवारों के अंदर भी हिंसा बढ़ी है। पति, पिता, भाई और ससुराल वालों के हाथों मारपीट, गाली-गलौज और दूसरी तरह की हिंसा के मामले सामने आए हैं। गाजा सिटी की एक महिला ने बताया कि युद्ध से पहले उसका पति कभी उस पर गुस्सा नहीं करता था। लेकिन घर तबाह होने और सब कुछ खोने के बाद वह चिड़चिड़ा रहने लगा और अपना गुस्सा पत्नी और बच्चों पर निकालने लगा। एक दूसरी महिला ने कहा कि मारपीट महिलाओं के साथ होने वाली सबसे आम हिंसा है। उसके मुताबिक, युद्ध के बाद पुरुष अपना गुस्सा पत्नियों पर निकाल रहे हैं और कई महिलाओं के पास इसे सहने के अलावा कोई रास्ता नहीं है। महिलाओं ने इसकी वजह घर उजड़ने, बेरोजगारी, गरीबी, बार-बार विस्थापन और मानसिक तनाव को बताया। पति ने पत्नी को संबंध बनाने के लिए पीटाः-शिविरों में परिवारों के पास निजी जगह लगभग नहीं बची है। एक महिला ने बताया कि एक पति ने अपनी पत्नी के साथ संबंध बनाने की मांग की। पत्नी ने बच्चों के सामने ऐसा करने से इनकार किया तो उसने उसे पीटा, उसका हाथ तोड़ दिया और आंख पर चोट पहुंचाई। दोनों जिस टेंट में रहते थे, उसमें बच्चों समेत 12 लोग रहते थे। बाद में पति ने स्कूल के बाथरूम

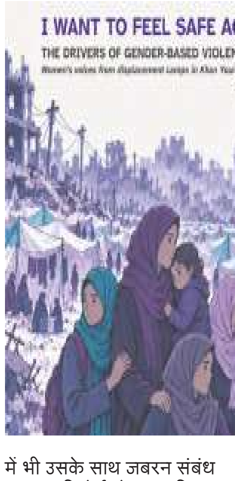

में भी उसके साथ जबरन संबंध बनाए। रिपोर्ट के मुताबिक, भीड़भाड़ और निजता की कमी ने ऐसी हिंसा का खतरा बढ़ाया है। हालांकि, वैवाहिक रेप युद्ध के बाद शुरू हुई नई समस्या नहीं है। खाने की मदद पर भी पति का कब्जाः-भूख और जरूरी सामान की कमी ने महिलाओं के लिए मुश्किल और बढ़ा दी है। रिपोर्ट में कुछ महिलाओं ने बताया कि उनके पति मानवीय मदद में मिली चीजों पर भी नियंत्रण रखते हैं। गाजा सिटी की एक महिला ने बताया कि उसे अपने फोन से मदद से जुड़े मैसेज मिटाने पड़ते हैं। उसे डर है कि अगर पति को पता चल गया कि उसे मदद मिली है, तो वह उसे और बच्चों को मिलने वाली मदद भी छीन लेगा। एक दूसरी महिला ने बताया कि कुछ पति परिवार के लिए खाना खरीदने के बजाय पैसे नशे या सिगरेट पर खर्च कर देते हैं। पत्नियों के विरोध करने पर उनके साथ हिंसा की जाती है। मारपीट के बाद भी पति के पास लौटी महिला-रिपोर्ट में एक ऐसी महिला का मामला भी बताया गया है जिसे उसका पति पीटता था, गालियां देता था और यौन हिंसा करता था। महिला ने परिवार से छिपकर फोन पर मदद लेने की कोशिश की तो पति को इसकी जानकारी हो गई। इसके बाद पति उसे एक दोस्त के घर ले गया, बांधा और बाल पकड़कर घसीटा। महिला के शरीर पर चोट के निशान थे और उसका हाथ भी ठीक से काम नहीं कर रहा था। इसके बावजूद वह पति के पास वापस चली गई। जब उससे पूछा गया कि वह वापस क्यों गई, तो उसने कहा- मैं कहां जाऊं? और मैं अपने बच्चों से दूर भी नहीं रह सकती। 'रिपोर्ट के मुताबिक, विस्थापन के कारण परिवार और रिश्तेदारों का सहारा कमजोर हुआ है। दूसरी तरफ महिलाओं के लिए सुरक्षित घर और दूसरी मदद की जगहें भी बहुत कम हैं। ऐसे में हिंसा झेलने वाली कई महिलाओं के पास घर छोड़ने का सुरक्षित रास्ता नहीं बचा है। भाई से लेकर बेटे तक, परिवार में ही हिंसा-रिपोर्ट में परिवार के दूसरे सदस्यों की हिंसा के मामले भी सामने आए हैं। एक महिला ने बताया कि टेंट में ज्यादा लोगों के साथ रहने की वजह से भाई अपनी बहनों को छोटी-छोटी बातों पर पीटते और गालियां देते हैं। कुछ महिलाओं ने बेटों द्वारा बुजुर्ग मां को पीटे जाने की घटनाएं भी बताईं। एक महिला ने बताया कि उसके पास वाले टेंट में एक व्यक्ति अपनी बुजुर्ग मां को इसलिए पीटता था क्योंकि वह बिस्तर गीला कर देती थीं और डायपर बहुत महंगे थे। यौन हिंसा के मामले 61फीसदी बढ़े- यूएनएफपीए की रिपोर्ट के मुताबिक, अप्रैल से जून 2026 के बीच दर्ज लैंगिक हिंसा के मामलों में यौन हिंसा की हिस्सेदारी 2.7फीसदी रही। जनवरी से मार्च के बीच यह 2.1फीसदी थी। इस दौरान दर्ज यौन हिंसा के मामलों की संख्या में 61फीसदी की बढ़ोतरी हुई। यौन हिंसा के सामने आए मामलों में सबसे ज्यादा 18 से 59 साल की महिलाएं थीं। यूएनएफपीए के मुताबिक, अप्रैल से जून 2026 के बीच महिलाओं और लड़कियों के खिलाफ दर्ज लैंगिक हिंसा के मामलों में जनवरी से मार्च की तुलना में 27फीसदी बढ़ोतरी हुई।

व्हाइट हाउस में ट्रम्प ने जिनपिंग को डिनर दिया, पत्नी मेलानिया ने तैयार किया खास मेन्यू

जिनपिंग को जंगली मशरूम का सूप, तिल वाली मछली परोसी

वॉशिंगटन डीसी।जिनपिंग ने पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन की 1972 में चीन यात्रा को याद किया। उन्होंने यह भी कहा कि पूर्व अमेरिकी विदेश मंत्री हेनरी किसिंजर ने भी अमेरिका और चीन के रिश्ते बेहतर बनाने में अहम भूमिका निभाई थी। 4. ताइवान और दक्षिण चीन सागर जैसे मुद्दों पर नहीं बोले-जिनपिंग ने भाषण में ताइवान और दक्षिण चीन सागर के विवाद का जिक्र नहीं किया। उन्होंने चीन की बढ़ती परमाणु ताकत और अमेरिका-चीन की टेक्नोलॉजी की होड़ पर भी बात नहीं की-डिनर में अमेरिकी टेक-बिजनेस जगत के दिग्गज भी पहुंचे-स्टेट डिनर में अमेरिका के टेक और बिजनेस जगत के कई बड़े चेहरे भी शामिल हुए। इनमें अमेजन के संस्थापक जेफ बेजोस, टेस्ला और स्पेसएक्स के एलन मस्क, गूगल के सुंदर पिचाई, ओपन-एआई के सैम ऑल्टमैन और ग्रेग ब्रॉकमैन, एनवीडिया के सीईओ जेन्सेन हुआंग और डेल टेक्नोलॉजीज के माइकल डेल शामिल थे। सैम ऑल्टमैन व्हाइट हाउस पहुंचने पर लोगों को ऑटोग्राफ देते नजर आए। वहीं जेन्सेन हुआंग अपने आम काले लेदर जैकेट के बजाय टक्सीडो पहनकर पहुंचे। ट्रम्प-जिनपिंग ने व्हाइट हाउस में 2 घंटे मीटिंग की-स्टेट डिनर से पहले ट्रम्प और जिनपिंग ने व्हाइट हाउस में करीब 2 घंटे मीटिंग की। यह तय समय से 1 घंटे ज्यादा चली। बंद कमरे में हुई इस बैठक में एआई, व्यापार, सुरक्षा और अमेरिका-

चीन के रिश्तों जैसे कई अहम मुद्दों पर चर्चा हुई। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक ट्रम्प ने जिनपिंग के साथ अपने निजी रिश्ते पर जोर दिया। उन्होंने दोनों नेताओं की दोस्ती को सच्ची और गहरी बताया। वहीं, जिनपिंग ने निजी रिश्तों के बजाय दोनों देशों के बीच लंबे समय के संबंधों और आपसी हितों पर ज्यादा जोर दिया। ट्रम्प-जिनपिंग की मुलाकात से जुड़ी 4 अहम बातें-आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सबसे अहम मुद्दा-एआई इस बैठक के अहम मुद्दों में रहा। ट्रम्प ने इसे सुपरइंटेलिजेंस कहा। उन्होंने कहा कि आज इन क्षेत्रों में लिए गए फैसलों का असर आने वाले कई दशकों तक रहेगा। जिनपिंग ने एआई को लेकर कहा कि यह हमेशा इंसानों के नियंत्रण में रहना चाहिए। दोनों देशों के बीच व्यापार समझौता 2 महीने बढ़ा-अमेरिका और चीन के बीच चल रहे व्यापार समझौते को दो महीने और बढ़ाकर 10 जनवरी तक कर दिया गया है। यह समझौता पहले 10 नवंबर को खत्म होना था। जिनपिंग ने 1 लाख अमेरिकी छात्रों को चीन बुलाया-जिनपिंग ने अगले 5 साल में 1 लाख अमेरिकी छात्रों को चीन आने का न्योता भी दिया। जिनपिंग ने यह भी कहा कि चीन अमेरिकी कंपनियों के लिए अपना बाजार खुला रखेगा और उम्मीद करता है कि अमेरिका में चीनी कंपनियों के साथ भी निष्पक्ष व्यवहार किया जाएगा। ट्रम्प ने जिनपिंग को व्हाइट हाउस का निर्माण दिखाया-बैठक के दौरान ट्रम्प ने जिनपिंग को व्हाइट हाउस में बन रहे नए बॉलरूम और हेलिपैड का काम भी दिखाया। ट्रम्प ने जिनपिंग को 'ग्रेनाइट एक्सपर्ट' बताया और कहा कि उन्हें अच्छा ग्रेनाइट पसंद है। अमेरिकी मीडिया की एंट्री पर विवाद-जिनपिंग की अमेरिका यात्रा के दौरान व्हाइट हाउस और अमेरिकी मीडिया के बीच भी विवाद देखने को मिला। ट्रम्प प्रशासन ने सीएनएन, एमएस नाउ और पॉलिटिको के पत्रकारों को व्हाइट हाउस में एंट्री पर रोक लगा दी थी। इसके बाद कोर्ट ने इनकी व्हाइट हाउस में एंट्री बहाल करने का आदेश दिया। इसके बावजूद अगले दिन पत्रकारों को दोबारा अंदर जाने से रोक दिया गया। कई कोशिशों के बाद दोपहर करीब 12 बजे उन्हें व्हाइट हाउस में प्रवेश मिला। मीडिया की एंट्री को लेकर हुए इस विवाद का असर ट्रम्प-जिनपिंग की मुलाकात की टीवी कवरेज पर भी पड़ा। अमेरिका के कई बड़े टीवी नेटवर्क ने दोनों नेताओं की शुरुआती मुलाकात का लाइव प्रसारण नहीं किया। इसी दौरान ओवल ऑफिस में ट्रम्प ने चीनी पत्रकारों को लेकर मजाक करते हुए कहा कि चीन की मीडिया सबसे दोस्ताना है।

जिनपिंग बोले- अमेरिका और चीन में रेस हो रेसलिंग नहीं,व्हाइट हाउस में ट्रम्प ने वेलकम किया

वॉशिंगटन डीसी। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प के बीच व्हाइट हाउस में द्विपक्षीय बैठक खत्म हो गई है। ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका और चीन दोस्त हैं और दोनों देशों के हित एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। जिनपिंग

ने कहा कि दोनों देशों के लिए मिलकर काम करना फायदेमंद है, जबकि टकराव से दोनों को नुकसान होगा। चीनी राष्ट्रपति ने कहा- 'अमेरिका चीन के बीच रेस हो, रेसलिंग नहीं। दोनों देशों की कोशिश एक-दूसरे से आगे निकलने की होनी चाहिए, न कि ऐसी लड़ाई की जिसमें एक की जीत और दूसरे की हार हो।' बैठक के बाद ट्रम्प ने इसे 'बहुत अच्छी बैठक' बताया, हालांकि उन्होंने इसके बारे में ज्यादा जानकारी नहीं दी। कोर्ट के आदेश के बाद पत्रकारों को व्हाइट हाउस में एंट्री मिली-सीएनएन, पॉलिटिको और एमएस नाउ के पत्रकारों को करीब 12 बजे (अमेरिकी समय के मुताबिक) व्हाइट हाउस में दोबारा एंट्री मिल गई। इससे पहले ट्रम्प प्रशासन ने कोर्ट के आदेश के बावजूद उन्हें अंदर जाने से रोक दिया था। कोर्ट ने 23 सितंबर की रात करीब 1 बजे आदेश देकर इन पत्रकारों को व्हाइट हाउस में एंट्री देने को कहा था। इसके बावजूद 24 सितंबर की सुबह पत्रकारों को रोका गया। फिर तीनों मीडिया संस्थान कोर्ट पहुंचे और तुरंत सुनवाई की मांग की। इसके बाद कोर्ट ने ट्रम्प प्रशासन से दोपहर 12:30 बजे तक जवाब मांगा था। इस विवाद के कारण व्हाइट हाउस में ट्रम्प-जिनपिंग की मुलाकात का पत्रकारों ने बायकॉट कर दिया था। अमेरिकी टीवी चैनलों पर इसका लाइव वीडियो नहीं दिखाया गया। आखिरकार दोपहर में उन्हें अंदर जाने की अनुमति मिल गई। ट्रम्प प्रोटोकॉल तोड़कर जिनपिंग को रिसीव करने एयरपोर्ट गए-चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग गुरुवार सुबह अमेरिका पहुंचे। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प प्रोटोकॉल तोड़कर खुद जॉइंट बेस एंड्रयूज एयरपोर्ट गए और उनका स्वागत किया। ट्रम्प के साथ फर्स्ट लेडी मेलानिया ट्रम्प भी मौजूद थीं। जिनपिंग के साथ उनकी पत्नी पेंग लियुआन भी अमेरिका पहुंची हैं।1. जिनपिंग 11 साल बाद व्हाइट हाउस लौटेः तब और अब में क्या बदला? जिनपिंग आखिरी बार 2015 में बराक ओबामा के समय व्हाइट हाउस गए थे। तब दोनों देशों के बीच व्यापार, जलवायु और साइबर सुरक्षा जैसे मुद्दों पर सहयोग की बात होती थी। आज रिश्ते काफी बदल चुके हैं। अब दोनों देशों के बीच एआई, चिप, दुर्लभ खनिज, सैन्य ताकत और ताइवान को लेकर बढ़े तनाव पर चर्चा हो रही। 2. रेड कार्पेट पर दोस्ती, अंदरखाने बड़े सौदे-ट्रम्प ने जिनपिंग के साथ अपने रिश्ते को शानदार दोस्ती बताया है, लेकिन दोनों देशों के बीच कई बड़े विवाद अभी भी मौजूद हैं। सबसे बड़ा मुद्दा टैरिफ और व्यापार है। इसके अलावा दुर्लभ खनिज, अमेरिकी चिप और चीन की तकनीक, कृषि सामान और बाजार तक पहुंच भी बातचीत का हिस्सा हैं। टैरिफ बढ़ाने पर लगी रोक 10 जनवरी 2027 तक बढ़ी है, इसलिए फिलहाल ट्रेड वॉर का खतरा टला है। लेकिन स्थायी व्यापार समझौता अभी बाकी है। 3. एआई पर अमेरिका-चीन साथ आए तो दुनिया में क्या असर होगा? अमेरिका और चीन एआई की होड़ में आगे निकलने की कोशिश कर रहे हैं। अमेरिका चीन को एडवांस एआई चिप और तकनीक देने पर रोक लगाता रहा है, जबकि चीन इन पाबंदियों का विरोध करता है। जिनपिंग का कहना है कि एआई का कंट्रोल इंसानों के हाथ में रहना चाहिए। अगर दोनों देश एआई सुरक्षा पर साथ आते हैं, तो इसका असर पूरी दुनिया में एआई के नियमों पर पड़ सकता है। 4. ताइवान और ईरानः 2 मुद्दों पर मतभेद-ताइवानः चीन इसे अपना हिस्सा मानता है, जबकि अमेरिका ताइवान को सैन्य मदद देता है। यह दोनों देशों के बीच सबसे बड़ा तनाव है। ईरानः अमेरिका चाहता है कि चीन ईरान पर अपना प्रभाव डाले, जबकि चीन ईरान से तेल खरीदता है और अमेरिकी दबाव का विरोध करता रहा है।

आतंकी हाफिज पर सवाल से भागे पाक पीएम शहबाज, यूएन में पत्रकारों ने पूछा- आतंकियों को पनाह देना कब बंद करेंगे

इस्लामाबाद।इसके बाद हाफिज सईद ने इस संगठन की

कमान संभाल ली। भारत, अमेरिका और कई पश्चिमी देशों का आरोप रहा है कि लश्कर-ए-तैयबा को लंबे समय तक पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी घ्घ्ढ का समर्थन मिलता रहा। पाकिस्तान आधिकारिक तौर पर इन आरोपों से इनकार करता है। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (यूएनएचआरसी) में पाकिस्तान ने 23 सितंबर को भारत में कश्मीर और अल्पसंख्यकों की स्थिति पर सवाल उठाए। इसके जवाब में भारतीय राजनयिक क्षितिज त्यागी ने कहा कि पाकिस्तान ने जिन आतंकियों को हथियार और ट्रेनिंग दी, उन्हीं ने 1990 में कश्मीरी पंडितों को घर छोड़ने पर मजबूर किया। त्यागी ने कहा कि यही आतंकी बाद में कश्मीर में अलग-अलग धर्मों के लोगों को निशाना बनाते रहे, जिनमें बड़ी संख्या में मुस्लिम भी शामिल थे। भारत ने पाकिस्तान के अल्पसंख्यकों का भी मुद्दा उठाया-भारत ने पाकिस्तान में हिंदू, सिख और ईसाई समुदायों की स्थिति का भी मुद्दा उठाया।

त्यागी ने जबरन धर्म परिवर्तन और शादी, ईशनिंदा कानून और शिया, अहमदिया, इस्माइली और हजारा समुदायों के खिलाफ भेदभाव का जिक्र किया। त्यागी ने कहा कि जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न हिस्सा था, है और रहेगा। उन्होंने पाकिस्तान से जम्मू-कश्मीर के उसके कब्जे वाले हिस्से को खाली करने को कहा।

साथ ही उन्होंने पाकिस्तान को अपनी कर्ज में डूबी अर्थव्यवस्था पर ध्यान देने की सलाह दी।

इटली में स्कूलों में बुर्का/नकाब पर रोक, नियम तोड़ने पर 1 लाख रुपए तक जुर्माना

कुछ विदेशी छात्रों की संख्या 30फीसदी तक सीमित

रोम। एफएन ने इसी साल जुलाई में स्कूलों में बुर्का और

नकाब पर रोक लगाने की मांग की थी। यानी जिस मुद्दे पर अब मेलोनी सरकार कानून लाने जा रही है, उस पर उनसे भी ज्यादा सख्त रुख रखने वाली पार्टी पहले ही दबाव बना रही थी। इटली में 50 साल से चेहरा ढकने पर प्रतिबंध-इटली में चेहरा ढकने को लेकर 1975 से कानून है। इसके तहत सार्वजनिक जगहों पर इस तरह चेहरा ढकना मना है, जिससे किसी व्यक्ति की पहचान न हो सके। हालांकि, कुछ खास परिस्थितियों में छूट दी जा सकती है। 2008 के एक कोर्ट के फैसले में कहा गया था कि अगर कोई व्यक्ति धार्मिक या सांस्कृतिक वजह से चेहरा ढकता है, तो सिर्फ इसी वजह से उसे कानून तोड़ने वाला नहीं माना जाएगा। मामले की परिस्थितियों को भी देखा जाएगा।अब मेलोनी सरकार स्कूलों में बुर्का और नकाब पर अलग से रोक लगाने की तैयारी कर रही है।

सरकार की मंजूरी के बाद प्रस्ताव को कानून बनाने के लिए संसद में भेजा जाएगा। इसे 60 दिनों के भीतर संसद से मंजूरी मिलना जरूरी होगा।

यूरोपीय अदालत ने बुर्का पर बैन को सही ठहराया-यूरोपियन कोर्ट ऑफ ह्यूमन राइट्स फ्रांस और बेल्जियम में सार्वजनिक जगहों पर बुर्का-नकाब पर रोक को सही ठहरा चुका है।

फ्रांस में 2014 और बेल्जियम में 2017 के फैसले में अदालत ने कहा था कि लोगों के बीच मेलजोल बनाए रखना ऐसी रोक का आधार हो सकता है। मानवाधिकार संगठनों और संयुक्त राष्ट्र ने इसका विरोध किया है।

अनुपम खेर बोले- गोविंदा अपने आसपास के माहौल से परेशान,कहा- आदतों को काम पर हावी न होने दें

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता गोविंदा अपनी रूमर्ड गर्लफ्रेंड और

पत्नी सुनीता आहूजा के साथ जारी अनबन की खबरों को लेकर चर्चा में हैं। अब अभिनेता अनुपम खेर ने गोविंदा की निजी जिंदगी पर प्रतिक्रिया दी है। फरीदून शहरयार को दिए इंटरव्यू में अनुपम खेर ने कहा कि गोविंदा बेहतरीन एक्टर हैं, लेकिन उन्हें अपनी निजी जिंदगी और आदतों को काम पर हावी नहीं होने देना चाहिए। दरअसल हाल ही में वे कोमल रानी स्वर्णकार के साथ लालबागचा राजा के दर्शन करने पहुंचे थे, जबकि उनकी पत्नी सुनीता उसी दिन अकेली पहुंची थीं। 'आसपास के माहौल से परेशान हैं गोविंदा' अनुपम ने कहा कि गोविंदा को अपनी आदतों या निजी परेशानियों को अपनी पूरी जिंदगी और काम पर हावी होने की इजाजत नहीं देनी चाहिए। अनुपम ने बताया कि वे गोविंदा पर कोई फैसला या टिप्पणी करने वाले व्यक्ति नहीं हैं और गोविंदा अपनी जिंदगी को बेहतर समझते हैं। उन्होंने खुलासा किया कि उन्होंने गोविंदा को फोन किया था, लेकिन उन्होंने वापस कॉल करने की बात कही। अनुपम उन्हें सिर्फ यह कहना चाहते थे कि यह मुश्किल दौर भी बीत जाएगा। अनुपम के मुताबिक, हर किसी की जिंदगी में परेशानियां आती हैं। गोविंदा अपने आसपास के माहौल और परिस्थितियों से थोड़े परेशान जरूर हैं, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी है और वापसी की पूरी उम्मीद है। 'गोविंदा की एक्टिंग और डांस में कोई मुकाबला नहीं' अनुपम खेर ने गोविंदा के काम की तारीफ करते हुए कहा कि वे उन सबसे बेहतरीन अभिनेताओं में से एक हैं, जिनके साथ उन्होंने काम किया है। दोनों ने साथ में 10 से 12 फिल्मों में काम किया है। अनुपम के मुताबिक, इम्प्रोवाइजेशन, एक्टिंग और डांस के मामले में गोविंदा का मुकाबला कोई नहीं कर सकता। कोमल संग दिखे गोविंदा, अकेली पहुंची थीं पत्नी सुनीता-गोविंदा की पर्सनल लाइफ पिछले कुछ समय से लगातार सुर्खियों में है। हाल ही में गणेशोत्सव के दौरान मुंबई के प्रसिद्ध लालबागचा राजा पंडाल में गोविंदा अपनी को-स्टार कोमल रानी स्वर्णकार के साथ गणपति के दर्शन करने पहुंचे थे। वहीं, उसी दिन उनसे पहले उनकी पत्नी सुनीता आहूजा अकेले ही दर्शन के लिए पहुंची थीं। दोनों के अलग-अलग पहुंचने और कोमल के साथ दिखने के बाद से उनके रिश्ते और कथित अफेयर को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। सुनीता आहूजा बोलीं- इंसान धोखा ही देते हैं-गणपति

उत्सव के दौरान गोविंदा को अभिनेत्री और रूमर्ड गर्लफ्रेंड कोमल रानी स्वर्णकार के साथ दिखने के बाद सुनीता आहूजा का एक बयान सामने आया, जिसमें उन्होंने इंसानों को धोखेबाज बताते हुए जानवरों से प्यार को बेहतर बताया। हालांकि, सुनीता ने अपने बयान में गोविंदा का नाम नहीं लिया। दरअसल, मुंबई एयरपोर्ट पर पैपराजी से बातचीत के दौरान सुनीता अपने पालतू कुत्ते विंटर के साथ थीं। पैपराजी से बात करते हुए सुनीता ने कहा कि इंसानों को जितना भी प्यार करो, कोई फायदा नहीं है। धोखा ही देते हैं। इनको प्यार करो, देखो, हमेशा चिपके रहते हैं। जानवरों से प्यार करो, इंसानों से नहीं। धोखेबाज होते हैं इंसान। गणपति उत्सव में भी अलग नजर आया परिवार-इस साल गणपति उत्सव के दौरान गोविंदा और सुनीता साथ नजर नहीं आए। गणेश चतुर्थी के मौके पर सुनीता आहूजा के घर गणपति बप्पा का स्वागत किया गया। गणेशोत्सव के दौरान गोविंदा और सुनीता के बेटे यशवर्धन और बेटी टीना भी मौजूद थे। हालांकि, इस दौरान गोविंदा नजर नहीं आए। सुनीता का दावा- कोमल रानी से शादी करने वाले थे गोविंदा-सुनीता आहूजा ने दिसंबर 2025 में गोविंदा से तलाक की अर्जी दाखिल की थी, हालांकि 19 अगस्त को उन्होंने अर्जी वापस ले ली है। इस दौरान राखी सावंत से कॉल पर बात करते हुए सुनीता ने दावा किया है कि तलाक के बाद गोविंदा कोमल से शादी करने वाले थे, यही वजह है कि उन्होंने तलाक का केस वापस ले लिया है।

एक्टर मुश्ताक खान दी गयी अंतिम विदाई,राजपाल यादव बोले- निधन से 2 घंटे पहले ही मिला था; सनी देओल ने भी दुख जताया

मुंबई। 'वेलकम' और 'आशिकी' जैसी फिल्मों में काम करने वाले एक्टर मुश्ताक खान

का 75 साल की उम्र में गुरूवार को निधन हो गया। वे लंबे समय से फेफड़ों के कैंसर से जूझ रहे थे। मुश्ताक खान के बेटे ने बताया कि जुमे की नमाज के बाद जनाजे की नमाज हुई। फिर यारी रोड कब्रिस्तान में मुश्ताक को दफनाया गया। मुश्ताक खान के निधन के बाद सनी देओल, अनुपम खेर समेत फिल्म इंडस्ट्री के कई लोगों ने दुख जताया। वहीं, राजपाल यादव ने कहा कि वे निधन से करीब 2 घंटे पहले ही उनसे मिलकर आए थे। मुश्ताक खान के बिजनेस पार्टनर शिवम ने बताया था कि गुरुवार शाम करीब 7 बजे उनका निधन हुआ। मुश्ताक खान को करीब पांच साल पहले कैंसर का पता चला था और वे ठीक भी हो गए थे। हालांकि, आठ दिन पहले कैंसर फिर से लौट आया और उन्हें मुंबई के नानावती अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। यह कैंसर का आखिरी स्टेज था। 250 से ज्यादा फिल्मों में किया काम-मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले के बैहर कस्बे में जन्मे मुश्ताक खान ने अभिनय की शुरुआत थिएटर से की थी। साल 1980 में फिल्म अल्बर्ट पिंटो को गुस्सा क्यों आता है से उन्होंने हिंदी सिनेमा में कदम रखा। चार दशक से ज्यादा लंबे करियर में उन्होंने 250 से ज्यादा फिल्मों में काम किया। 1990 के दशक में वे आशिकी, सड़क, साथी, हम हैं राही प्यार के, क्रांतिवीर, राजा, मेजर साब और मन जैसी फिल्मों में नजर आए। आशिकी में दर्जी रफू मास्टर और हम हैं राही प्यार के में भगवती प्रसाद मिश्रा का उनका किरदार काफी चर्चित हुआ। इसके बाद हेरा फेरी, मुझसे शादी करोगी, गदरः एक प्रेम कथा, जोड़ी नं. 1 और राउडी राठौर जैसी फिल्मों में उन्होंने कॉमिक और सपोर्टिंग रोल निभाए। 2007 की फिल्म वेलकम में मजनू भाई के साथी बल्लू के किरदार से उन्हें खास पहचान मिली। इसके बाद वेलकम बैक, स्त्री और स्त्री 2 जैसी फिल्मों में भी वे नजर आए। फिल्मों के साथ-साथ मुश्ताक खान ने टीवी पर भी काम किया। वे अदालत, चाचा चौधरी, टेढ़े-मेढ़े सपने और कुछ रंग प्यार के ऐसे भी जैसे शोज का हिस्सा रहे। हाल के वर्षों की बात करें तो साल 2025 में वे फिल्म जाट में इंस्पेक्टर मुश्ताक के किरदार में नजर आए। इसी साल उदयपुर फाइल्स में वीरेंद्र कुमार मीणा का रोल निभाया। इसके अलावा किस किसको प्यार करूं 2 में भी काम किया। साल 2026 में वे भाभीजी घर पर हैं! फन ऑन द रन, हम

अंग्रेजों के जमाने के जेलर हैं और कोकिन में नजर आए। परिवार में पत्नी, दो बेटे और एक बेटी-मुश्ताक खान अपने पीछे पत्नी सलमा खान, दो बेटों और एक बेटी को छोड़ गए हैं। उनके बड़े बेटे का नाम मोहम्मद अरशद खान, छोटे बेटे का नाम मोहसिन खान और बेटी का नाम सबा शेख है। मुश्ताक खान ने एक इंटरव्यू में बताया था कि पहले उन्हें किसी से प्यार हुआ था, लेकिन यह रिश्ता सफल नहीं हो सका। इसके बाद उन्होंने शादी से दूरी बनाने का फैसला किया था। बाद में माता-पिता की इच्छा पर उन्होंने सलमा खान से अरेंज मैरिज की। उनके बड़े बेटे मोहम्मद अरशद खान ने फिल्मी दुनिया से अलग अपना करियर बनाया है। वहीं, छोटे बेटे मोहसिन खान फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े हैं। हालांकि, वे एक्टिंग नहीं करते। मोहसिन डायरेक्टर और प्रोड्यूसर हैं। उन्होंने मराठी कॉमेडी फिल्म 'डिलीवरी बॉय' का निर्देशन किया है। मुश्ताक खान का हुआ था अपहरण-नवंबर 2024 में मुश्ताक खान को अवॉर्ड फंक्शन के बहाने बुलाकर किडनैप कर लिया गया था। उन्हें मेरठ में एक कार्यक्रम में मुख्य अतिथि बनाने की बात कही गई थी। भरोसा जीतने के लिए बदमाशों ने उन्हें 25 हजार रुपए एडवांस भेजे और मुंबई से दिल्ली की फ्लाइट टिकट भी बुक कराई। 20 नवंबर को दिल्ली एयरपोर्ट पहुंचने के बाद एक कैब उन्हें मेरठ लेकर निकली। रास्ते में उन्हें दूसरी गाड़ी में बैठाया गया। इसके बाद बंदूक दिखाकर उनका अपहरण कर लिया गया। उन्हें बिजनौर के एक घर में ले जाकर करीब 12 घंटे तक बंधक रखा गया। बदमाशों ने 1 करोड़ रुपए की फिरौती मांगी। अगली सुबह अपहरणकर्ता नशे में थे और कुछ सो रहे थे। इसी दौरान मुश्ताक खान वहां से भाग निकले। पास की मस्जिद पहुंचकर उन्होंने स्थानीय लोगों से मदद मांगी। लोगों ने उनके परिवार और पुलिस से संपर्क कराया। पुलिस के मुताबिक, बदमाशों ने उनके बैंक खाते से करीब 2.2 लाख रुपए भी निकाल लिए थे। मामले में पुलिस ने गिरोह के कई आरोपियों को गिरफ्तार किया था। पुलिस के अनुसार, गिरोह ने शक्ति कपूर और राजेश पुरी समेत दूसरे कलाकारों को भी इसी तरह फंसाने की कोशिश की थी। अनुपम खेर ने कहा- उनके साथ बिताए दिन हमेशा याद रहेंगे-अनुपम खेर ने वीडियो शेयर कर कहा कि मुश्ताक खान के निधन की खबर सुनकर उन्हें बहुत दुख हुआ। उन्होंने बताया कि दोनों ने कई फिल्मों में साथ काम किया था। अनुपम ने कहा कि मुश्ताक खान बहुत सहज थे और उनका सेंस ऑफ ह्यूमर शानदार था। उन्होंने बताया कि पिछले चार-पांच साल से वे मुश्ताक खान के बेटे मोहसिन से लगातार बात करते थे। उन्होंने कहा कि कुछ महीने पहले मुश्ताक खान से उनकी बात हुई थी। वे बड़ी बेबाकी से बात करते थे। अनुपम खेर ने उनके परिवार के प्रति संवेदनाएं भी व्यक्त कीं। सनी देओल ने भी मुश्ताक खान के निधन पर दुख जताया। उन्होंने कहा कि मुश्ताक खान एक अच्छे इंसान और बेहतरीन एक्टर थे। सनी ने उनके साथ बिताए समय को याद करते हुए कहा कि उनकी कई अच्छी यादें उनसे जुड़ी हैं। राजपाल यादव बोले- 2 घंटे पहले ही उनसे मिला था-राजपाल यादव ने एक्स पर लिखा कि वे गुरुवार दोपहर मुश्ताक खान से मिलने गए थे। उन्होंने बताया कि मुश्ताक खान ने उन्हें देखा, हाथ मिलाया और उनकी सारी बातें सुनकर प्रतिक्रिया भी दी। राजपाल ने कहा कि उन्हें यकीन नहीं हो रहा कि जिस व्यक्ति से वे सिर्फ दो घंटे पहले मिले थे, वह अब उनके बीच नहीं रहे। उन्होंने मुश्ताक खान के निधन पर गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं। संजय मिश्रा ने कहा- एक समय पर गार्जियन जैसे थे-'वेलकम' में मुश्ताक खान के साथ काम कर चुके संजय मिश्रा ने भी उनके निधन पर दुख जताया। उन्होंने कहा कि मुश्ताक खान सिर्फ अच्छे एक्टर ही नहीं थे, बल्कि एक समय पर उनके लिए गार्जियन जैसे बन गए थे। संजय मिश्रा ने कहा कि जब भी उन्हें जरूरत पड़ती थी, वे मुश्ताक खान से सलाह लेते थे। उन्होंने कहा कि मुश्ताक खान बहुत अच्छे कलाकार थे, लेकिन उन्हें उतना क्रेडिट नहीं मिला। संजय ने 'वेलकम' के दिनों को याद करते हुए कहा कि मुश्ताक खान बेहद अच्छे इंसान थे। उन्होंने बताया कि उन्होंने उनके साथ 'वेलकम' में काम किया था और उन्हें पूरा दुबई घुमाया था।

सिद्धार्थ मल्होत्रा बोले- पहली फिल्म बंद हुई, अंडे-शकरकंद खाकर गुजारा किया,ढीठपन और अड़ियलपन ने बचाया, 'शेरशाह' ने दी नई पहचान

मुंबई। दिल्ली के मिडिल क्लास, आर्मी-मर्चेंट नेवी बैकग्राउंड वाले परिवार से निकले सिद्धार्थ मल्होत्रा ने कभी खुलकर नहीं कहा था कि उन्हें एक्टर बनना है।

स्कूल-कॉलेज में एमबीए और कॉर्पोरेट नौकरी का प्लान था, लेकिन अंदर छिपा एक्टर मॉडलिंग के रास्ते सामने आया। 21 साल की उम्र में मुंबई पहुंचे तो फिल्म साइन होने के बावजूद प्रोजेक्ट बंद हो गया। घर ढूंढने, ऑडिशन देने और पैसों की तंगी जैसी कई मुश्किलें आईं। फिर मनीष मल्होत्रा के जरिए करण जौहर तक पहुंचे, 'माय नेम इज खान' में असिस्टेंट डायरेक्टर बने और 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' से लॉन्च हुए। बाद में फ्लॉप फिल्मों के दौर से गुजरकर 'शेरशाह' ने करियर को नई पहचान दी। दिल्ली में जन्मे, परिवार में था अनुशासन-सिद्धार्थ मल्होत्रा का जन्म 16 जनवरी 1985 को दिल्ली में हुआ। उनके पिता सुनील मल्होत्रा मर्चेंट नेवी में रहे, जबकि मां रिम्मा मल्होत्रा गृहिणी हैं। बड़े भाई हर्षद बैंकिंग सेक्टर में काम करते हैं। सिद्धार्थ की परवरिश ऐसे परिवार में हुई, जहां अनुशासन और स्थिर करियर को महत्व दिया जाता था। सिद्धार्थ ने दिल्ली के डॉन बॉस्को स्कूल और नेवल पब्लिक स्कूल से पढ़ाई की। इसके बाद दिल्ली यूनिवर्सिटी के शहीद भगत सिंह कॉलेज से कॉमर्स में ग्रेजुएशन किया। उनके मुताबिक कॉलेज के दिनों में उनका प्लान बिल्कुल अलग था। वे एमबीए करना चाहते थे और अच्छे नंबर लाकर किसी अच्छे एमबीए कॉलेज में दाखिला लेने की सोचते थे। फिल्मों में जाने का सपना तब इतना साफ नहीं था कि परिवार या दोस्तों से इसके बारे में बात कर सकें। सिद्धार्थ बताते हैं कि बचपन में वह शीशे के सामने एक्शन पोज किया करते थे और खेलते समय खुद को एक्शन सीन से लौटे किरदार की तरह कल्पना करते थे। यानी अभिनेता उनके अंदर था, लेकिन उसे करियर बनाने का फैसला काफी बाद में हुआ। कॉलेज के दौरान मिला मॉडलिंग का पहला ब्रेकः-कॉलेज के दौरान सिद्धार्थ ने मॉडलिंग शुरू की। शुरुआत में यह उनके लिए कमाई का जरिया था, लेकिन धीरे-धीरे यही उनका करियर बन गया। 18 साल की उम्र में मॉडलिंग शुरू करने के बाद उन्होंने कई बड़े ब्रांड्स और फैशन शोज में काम किया। वह इंटरनेशनल फैशन सर्किट में भी गए और रॉबर्टो कवाली जैसे डिजाइनर्स के लिए रैंप पर चले। कुछ साल मॉडलिंग करने के बाद उन्हें महसूस हुआ कि उन्हें कैमरे के सामने एक्टिंग करनी है। सिद्धार्थ ने कहा कि मॉडलिंग और एक्टिंग दो अलग चीजें हैं और सिर्फ अच्छा मॉडल होना अच्छे एक्टर होने की गारंटी नहीं है। मॉडलिंग के दौरान उन्हें स्टिल कैमरे से मूविंग कैमरे तक जाने का मौका मिला। विज्ञापनों के बाद उन्होंने फिल्मों के ऑडिशन देना शुरू किया। पहला मौका मिला, लेकिन फिल्म शुरू होने से पहले ही बंद हो गई-सिद्धार्थ ने पहली बार निर्देशक अनुभव सिन्हा की फिल्म के लिए ऑडिशन दिया। वह फिल्म उन्हें और दो अन्य कलाकारों को लॉन्च करने वाली थी। दिल्ली में ऑडिशन के बाद उन्हें दोबारा मुंबई बुलाया गया और ट्रेनिंग की तैयारी शुरू हो गई थी। लेकिन फिल्म आगे नहीं बढ़ सकी। बीबीसी को दिए इंटरव्यू में सिद्धार्थ ने बताया था कि उस फिल्म के लिए कॉन्ट्रैक्ट और रहने की व्यवस्था तक हुई थी, लेकिन करीब छह महीने बाद प्रोजेक्ट बंद हो गया। उस समय अनुभव सिन्हा दूसरे प्रोजेक्ट 'रा.वन' की तरफ चले गए थे। सिद्धार्थ के लिए यह झटका इसलिए बड़ा था क्योंकि वह महीनों से खुद को फिल्म के लिए तैयार कर रहे थे। उनके मुताबिक जब किसी चीज के होने की उम्मीद बन जाए और फिर वह हाथ से निकल जाए तो उसका असर ज्यादा होता है। 21 साल की उम्र में मुंबई आए, घर मिलना भी आसान नहीं था-करीब 21 साल की उम्र में सिद्धार्थ मुंबई पहुंचे। दिल्ली में उनका बड़ा परिवार था, लेकिन मुंबई में शुरुआती दिनों में करीबी परिवार का सहारा नहीं था। कुछ दिन दोस्तों और दूर के रिश्तेदारों के भरोसे रहे। मुंबई में उनके सामने सिर्फ काम पाने की चुनौती नहीं थी, बल्कि रहने की जगह ढूंढना भी बड़ा संघर्ष था। सिद्धार्थ ने बताया कि कभी नॉन-वेज खाने, कभी कम्युनिटी, कभी सिंगल होने और कभी अभिनेता बनने की वजह से उन्हें घर देने से मना किया गया। उन्होंने उस दौर को याद करते हुए कहा कि मुंबई में उन्हें करियर के साथ-साथ शहर में रहने की भी लड़ाई लड़नी पड़ी। पैसों की स्थिति ऐसी नहीं थी कि घर से हर महीने तय रकम आती रहे। कई बार किराया और डिपॉजिट देने के लिए परिवार से पैसे उधार लेने पड़े। एक समय बैंक अकाउंट में न्यूनतम बैलेंस बनाए रखना भी चुनौती लगता था। उनका रोज का नाश्ता बजट के हिसाब से तय था- अंडा और स्वीट पोटैटो। किसी महीने मॉडलिंग का अच्छा पेमेंट मिल जाता तो दोस्तों के साथ उसी पैसे से खुलकर घूमने-फिरने का मौका भी मिलता। मनीष मल्होत्रा से मुलाकात ने बदली दिशा-मॉडलिंग के दिनों में सिद्धार्थ की मुलाकात फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा से हुई थी। मनीष ने एक इंटरव्यू में बताया था कि उनकी पहली मुलाकात दिल्ली के एक फैशन शो में हुई थी। बाद में अभिनेता बनने मुंबई आए सिद्धार्थ ने निर्देशन सीखने की इच्छा जताई। मनीष ने उन्हें करण जौहर से मिलवाया। सिद्धार्थ और मनीष मल्होत्रा के रिश्ते को लेकर बाद में कई तरह की बातें हुईं, लेकिन सिद्धार्थ ने स्पष्ट किया कि मनीष उनके रिश्तेदार नहीं हैं। मॉडलिंग के दौरान उनके फैशन इंडस्ट्री से संबंध थे और उसी कनेक्शन के जरिए वह धर्मा प्रोडक्शंस तक पहुंचे। करण जौहर के साथ 'माय नेम इज खान' में असिस्टेंट डायरेक्टर बने-अनुभव सिन्हा की फिल्म बंद होने के बाद सिद्धार्थ ने फैसला किया कि सिर्फ ऑडिशन देने के बजाय फिल्ममेकिंग को करीब से समझना चाहिए। इसी सोच के साथ उन्होंने असिस्टेंट डायरेक्टर की नौकरी के लिए कोशिश शुरू की। मनीष मल्होत्रा के जरिए उनकी मुलाकात करण जौहर से हुई और वह 'माय नेम इज खान' में असिस्टेंट डायरेक्टर की टीम का हिस्सा बने। इस फिल्म में उनके साथ वरुण धवन भी असिस्टेंट डायरेक्टर थे। सिद्धार्थ ने इस अनुभव को एक्टिंग की सबसे बड़ी ट्रेनिंग में से एक बताया। उनके मुताबिक सेट पर बड़े कलाकारों और पूरी फिल्ममेकिंग प्रक्रिया को करीब से देखने का मौका मिला। वह शाहरुख खान और काजोल के कुछ सीन्स के लिए स्टैंड-इन भी करते थे। बाद में वरुण और सिद्धार्थ दोनों इसी अनुभव के बाद करण जौहर की फिल्म 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' में बतौर एक्टर लॉन्च हुए। 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' से लॉन्च-2012 में करण जौहर की 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' से सिद्धार्थ मल्होत्रा, वरुण धवन और

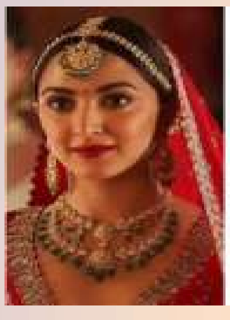

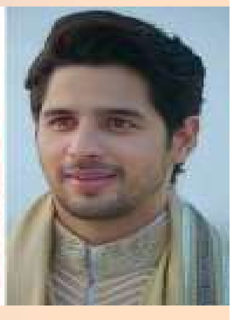

आलिया भट्ट ने बॉलीवुड डेब्यू किया। फिल्म में सिद्धार्थ ने अभिमन्यु सिंह का किरदार निभाया। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल रही और उन्हें बेस्ट मेल डेब्यू के लिए फिल्मफेयर नॉमिनेशन भी मिला। सिद्धार्थ के लिए यह सिर्फ डेब्यू नहीं था, बल्कि उस सपने के सच होने का पल था जिसे उन्होंने बचपन में किसी के सामने खुलकर स्वीकार तक नहीं किया था। उनके शब्दों में, वह आज भी इस सफर को सपने जैसा ही मानते हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें अभी भी यह बात पूरी तरह हजम नहीं होती कि वह इस बिजनेस का हिस्सा हैं। 'हंसी तो फंसी' और 'एक विलेन' ने बढ़ाई पहचान-'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' के बाद सिद्धार्थ को 2014 में दो अलग तरह की फिल्मों में देखा गया। 'हंसी तो फंसी' में उन्होंने रोमांटिक-कॉमेडी और 'एक विलेन' में गंभीर और एक्शन-ड्रामा किरदार निभाया। 'हंसी तो फंसी' का बॉक्स ऑफिस प्रदर्शन औसत रहा, लेकिन 'एक विलेन' ने सिद्धार्थ को कमर्शियल सफलता दिलाई। उपलब्ध ट्रेड आंकड़ों के मुताबिक 'एक विलेन' को हिट/सुपरहिट श्रेणी में रखा गया है और यह उनके करियर की शुरुआती बड़ी सफल फिल्मों में शामिल रही। इसके बाद 2015 में 'ब्रदर्स' आई, जिसे बॉक्स ऑफिस इंडिया ने फ्लॉप श्रेणी में रखा। 2016 में 'कपूर एंड संस' ने फिर सफलता दिलाई, जबकि 'बार बार देखो' बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सकी। एक के बाद एक फिल्मों ने बढ़ाया दबाव-2017 में 'ए जेंटलमैन' और 'इत्तेफाक' आईं। इसके बाद 2018 में 'अय्यारी' और 2019 में 'जबरिया जोड़ी'

रिलीज हुईं। ट्रेड आंकड़ों के अनुसार इनमें कई फिल्मों को फ्लॉप या उससे नीचे की श्रेणी में रखा गया। 'मरजावां' का प्रदर्शन भी औसत से नीचे रहा। यही वह दौर था जिसे सिद्धार्थ अपने करियर के सबसे चुनौतीपूर्ण समय में गिनते हैं। उनकी फिल्मों के प्रदर्शन को लेकर लगातार चर्चा होती थी और मीडिया में उनके करियर पर सवाल उठने लगे थे। सिद्धार्थ ने इस दौर पर कहा कि जब आप फिल्म के मुख्य किरदार में होते हैं तो फिल्म की जिम्मेदारी आपके कंधों पर आती है। फिल्म नहीं चलती तो उसके साथ आपके करियर को लेकर भी बातें शुरू हो जाती हैं। उन्होंने कहा कि एक आउटसाइडर के लिए यह दबाव ज्यादा महसूस होता है, क्योंकि उसके पास इंडस्ट्री में लौटने के लिए कोई तैयार बैकअप नहीं होता। फ्लॉप फिल्मों के दौर में भी हार नहीं मानी-सिद्धार्थ के मुताबिक फिल्मों का असफल होना व्यक्तिगत तौर पर मानसिक और भावनात्मक दबाव पैदा करता है। लेकिन उन्होंने इसे अपने सफर का हिस्सा माना। उनका कहना है कि फिल्म इंडस्ट्री प्रदर्शन पर चलती है। अगर दर्शक आपका काम पसंद करते हैं तो आपको आगे काम मिलता है और अगर पसंद नहीं करते तो मुश्किलें बढ़ जाती हैं। इसी दौर के बारे में सिद्धार्थ ने कहा, 'जो कोई गिव अप न करेष्ठ जो कोशिश करना बंद नहीं करता, उसको हराना बहुत मुश्किल है। जब तक आप हार नहीं मानते, तब तक आप जिंदा हैं। यहां पर मुझे बहुत काम आया है वो ढीठपना, जो मेरे में है। मैं एक ढीठ किस्म की पर्सनैलिटी हूं। वो जो ढीठपन और अड़ियलपन है मेरे में, आई थिंक, उसने मुझे बचा के रखा।' 'शेरशाह' ने करियर को दी नई पहचान-कई फिल्मों के उतार-चढ़ाव के बाद 2021 में आई 'शेरशाह' ने सिद्धार्थ के करियर को नई पहचान दी। फिल्म में उन्होंने कैप्टन विक्रम बत्रा का किरदार निभाया। फिल्म ओटीटी पर रिलीज हुई और सिद्धार्थ के अभिनय की खास तौर पर चर्चा हुई। इसके बाद उन्हें सिर्फ रोमांटिक या एक्शन हीरो के तौर पर नहीं, बल्कि गंभीर किरदार निभाने वाले अभिनेता के रूप में भी देखा जाने लगा। सिद्धार्थ बताते हैं कि आज जब वह किसी कॉलेज में जाते हैं और छात्र 'शेरशाह' पर उनसे बारीकी से सवाल करते हैं तो उन्हें भावुक महसूस होता है। उनके मुताबिक किसी अभिनेता के लिए इससे बड़ी बात क्या होगी कि लोग उसके काम को इतनी गंभीरता से देखें और उसके बारे में जानना चाहें। 'शेरशाह' के बाद भी सफर जारी-'शेरशाह' के बाद सिद्धार्थ 'थैंक गॉड', 'मिशन मजनू' और 'योद्धा' जैसी फिल्मों में नजर आए। इनका बॉक्स ऑफिस प्रदर्शन अलग-अलग रहा। ट्रेड आंकड़ों के मुताबिक 'थैंक गॉड' और 'योद्धा' फ्लॉप रहे, जबकि 'मिशन मजनू' ओटीटी रिलीज थी। 2025 में उनकी 'परम सुंदरी' रिलीज हुई, जिसे बॉक्स ऑफिस पर औसत प्रदर्शन की श्रेणी में रखा गया। इस तरह सिद्धार्थ के करियर में सफलता और असफलता दोनों आती रहीं, लेकिन उनका सफर रुका नहीं। 50 साल तक काम करते रहने का सपना-आज इंडस्ट्री में एक दशक से ज्यादा के सफर को सिद्धार्थ किसी उपलब्धि की तरह नहीं, बल्कि अभी भी चल रहे सपने की तरह देखते हैं। उन्होंने कहा कि उम्मीद है यह सपना कभी न टूटे और वह अगले 10 नहीं, बल्कि 20 और 50 साल तक इसी तरह काम करते रहें और दर्शकों को एंटरटेन करते रहें। अब 'द वन' की बारी-सिद्धार्थ मल्होत्रा अब अपनी अगली फिल्म 'द वनः फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट' में नजर आए। फिल्म में उनके साथ तमन्ना भाटिया हैं और इसका निर्देशन दीपक मिश्रा ने किया है। फिल्म आज सिनेमाघरों में रिलीज हुई है।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स
53/25/1 ए बेली रोड
न्यू कटरा प्रयागराज
(उ.प्र) 211002 से
मुद्रित एवं सी-41यूपी
एसआईडीसी औद्योगिक
क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
संपादक/प्रकाशक
डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।